



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 4] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 22, 1977 (माघ 2, 1898)

No. 4] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 22, 1977 (MAGHA 2, 1898)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 31 दिसम्बर 1976

सं० पी०/1854-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में कार्यरत उपसचिव तथा भारतीय डाक सेवा के अधिकारी श्री एस० एन० बाजपे को 31-12-1976 अपराह्न से आगामी आदेशों तक उसी कार्यालय में संयुक्त सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

2. श्री बाजपे ने संघ लोक सेवा आयोग में 31-12-1976 (अपराह्न) से उप सचिव के पद का कार्यभार छोड़ दिया है और उसी तारीख से संयुक्त सचिव, संघ लोक सेवा आयोग के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

प्र० ना० मुखर्जी,
अवर सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

मंत्रिमण्डल सचिवालय

(कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)

प्रवर्तन निदेशालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 10 दिसम्बर 1976

फा० सं० ए०-11/42/76—श्री सैयद अतहर अली, सहायक प्रवर्तन अधिकारी, श्रीनगर उप-क्षेत्रीय कार्यालय को इसके द्वारा दिनांक 15-11-1976 से अगले आदेशों तक के लिए प्रवर्तन अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 22 दिसम्बर, 1976

फा० सं० ए०-11/4376—श्री एस० के० बसु, निरीक्षक, आयकर को प्रवर्तन निदेशालय के विशेष यूनिट, कलकत्ता में दिनांक 25-11-76 से अगले आदेशों तक के लिए प्रवर्तन अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

जे० एन० अरोड़ा,
उपनिदेशक (प्रशासन)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 16 दिसम्बर 1976

सं० पी० एफ०/एस०-52/65-प्रशा०-5—निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर, श्री एस० पी० सेठ, उप-विधि सलाहकार, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, मुख्यालय, नई दिल्ली ने दिनांक 30 नवम्बर, 1976 के अपराह्न में अपने पद का कार्य भार त्याग दिया।

पी० एस० निगम,
प्रशासन अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

गृह मंत्रालय

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल महानिदेशालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 29 दिसम्बर 1976

सं० ओ०-II-76/76-स्था०—राष्ट्रपति, श्री के० एस० चतुर्वेदी, गुजरात सवर्ग के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में उनकी प्रतिनियुक्ति पर कमाण्डेंट के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री चतुर्वेदी ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल के कमाण्डेंट 39 बटालियन के पद का कार्यभार दिनांक 4 दिसम्बर 1976 के पूर्वाह्न से संभाला।

सं० ओ०-II-239/69-स्थापना—120 सेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी दिनांक 6-7-76 से 4-11-76 समाप्त होने के फल-स्वरूप, श्री जागीर सिंह, सहायक कमाण्डेंट 59 बी एन० केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल, दिनांक 4-11-76 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्ति हुए।

सं० ओ०-II-898/73-स्थापना—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी उमेश चन्द्रा नन्दा 27 बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल का त्याग पत्र दिनांक 20-11-76 अपराह्न से स्वीकृत कर लिया।

सं० ओ०-II-1045/76-स्था०—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल डाक्टर बी० दलीप मूर्धी को तदर्थ रूप में केवल 3 माह के लिए केन्द्रीय रिजर्व पुलिस में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर पर उनको 14-12-76 पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 3 जनवरी 1977

सं० ओ०-II-1046/76-स्था०—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल ने डाक्टर कोशी ऐषापन को, 16-12-1976 के पूर्वाह्न केवल 3 माह के लिए, अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इतने जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

ए० के० बन्धोपाध्याय
सहायक निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 30 अक्तूबर 1976

सं० ई० 32015 (2)/1/76-कार्मिक—राष्ट्रपति, पुन-नियुक्ति पर, कर्नल बी० डी० बनोट, को श्री जी० आर० खोसला के स्थान पर, दिनांक 17 सितम्बर, 1976 के पूर्वाह्न से अगले आवेश तक के० श्री० सु० ब० यूनिट खेतरी कापर परियोजना, खेतरी नगर, का कमांडेंट नियुक्त करते हैं। नई दिल्ली में स्थानान्तरित होने पर श्री जी० आर० खोसला ने उसी तारीख के पूर्वाह्न से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(3)/17/76-कार्मिक—राष्ट्रपति, निरीक्षक पी० ए० पंडारकर को 13 सितम्बर 1976 के पूर्वाह्न से अगले आवेश तक ग्रुप मुख्यालय के० श्री० सु० ब० बम्बई का स्थानापन्न रूप से सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं, और उन्होंने उसी तारीख से उक्त पद का कार्यभार संभाल लिया।

सी० सि० बिष्ट
महानिरीक्षक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 31 दिसम्बर 1976

सं० 11/4/76-प्रशा०-एक—राष्ट्रपति, भारत के महापंजीकार के कार्यालय में अन्वेषक श्री ए० के० विश्वास को तारीख 26 नवम्बर, 1976 के पूर्वाह्न से तारीख 28 फरवरी, 1977 तक, या अगले आदेशों तक, जो भी समय इसमें पहले हो, लक्षद्वीप में जनगणना निदेशक के कार्यालय में पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री विश्वास का मुख्यालय कावारती में होगा।

बन्नी नाथ,
भारत के उप महापंजीकार और
भारत सरकार के पदेन उप सचिव

प्रतिभूति कागज कारखाना

हौर्णागाबाद, दिनांक 24 दिसम्बर 1976

सं० 7 (35) 9348—इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक 7(35)/14385 दिनांक 17-3-75, 7(35)/7963 दिनांक 23/24-10-75 एवं 7(35)/10314 दिनांक 1-1-76 के तारतम्य में श्री नरेन्द्र पाल सिंह, फोरमैन (यांत्रिक) को प्रतिभूति कागज कारखाना, हौर्णागाबाद में दिनांक 1-3-76 से नियमित आधार पर रु० 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के वेतनमान में सहायक अभियन्ता (यांत्रिक) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

आर० विश्वनाथन
सहायक निदेशक

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग
भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय
नई दिल्ली, दिनांक 5 जनवरी 1976

सं० 13-सी० ए०-8/55-76—अपर उप नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (वाणिज्यिक) ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों (वाणिज्यिक) को सहर्ष पदोन्नत किया है और उनकी नियुक्ति लेखापरीक्षा अधिकारियों (वाणिज्यिक) के रूप में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए की है और नीचे कालम 5 में उल्लिखित तिथियों से प्रत्येक नाम के सामने कालम 4 में लिखे गए कार्यालयों में अन्त्य आदेश होने तक इसी रूप में उन्हें तैनात किया है।

क्रम सं०	अनुभाग अधिकारी (वा०) का नाम	पदोन्नति से पूर्व जिस कार्यालय में कार्यरत थे	पदोन्नति के पश्चात् जिस कार्यालय में लेखापरीक्षा अधिकारी (वा०) के रूप में नियुक्ति हुई	स्थानापन्न लेखापरीक्षा (वा०) के रूप में तैनाती की तिथि
1	2	3	4	5
सर्वश्री				
1.	असीम कुमार बागची	सदस्य सूखा परीक्षा बोर्ड एन्व पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा (कोयला) कलकत्ता।	सदस्य सूखा परीक्षा बोर्ड एन्व पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा- परीक्षा (कोयला) कलकत्ता	22-9-76 (पूर्वाह्न)
2.	टी० पी० भार्गव	नियंत्रक महालेखापरीक्षक के कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा देहरादून	30-10-76 (पूर्वाह्न)
2.	कृष्ण प्रसाद	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा- परीक्षा रांची	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा- परीक्षा रांची	7-10-76 (पूर्वाह्न)
4.	ए० गोविन्द कृष्ण	महालेखाकार-II तमिल नाडु, मद्रास।	महालेखाकार-II तमिल नाडु, मद्रास।	25-9-76 (पूर्वाह्न)
5.	आर० एस० भगवन्थ राव	सदस्य लेखा-परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा- परीक्षा बंगलोर।	महालेखाकार-II आन्ध्र प्रदेश हैदराबाद	11-10-76 (पूर्वाह्न)
6.	डी० पी० शर्मा	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा- परीक्षा नई दिल्ली	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा- परीक्षा, देहरादून	26-10-76 (पूर्वाह्न)
7.	डी० डी० रत्नपारखी	महालेखाकार (वैज्ञानिक एवं वाणिज्यिक विभाग) बम्बई	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा- परीक्षा बम्बई	27-9-76 (पूर्वाह्न)
8.	के० पी० शर्मा	महालेखाकार राजस्थान	निवासी लेखापरीक्षा अधिकारी, बड़ौदा सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा देहरादून के अधीन	27-10-76 (पूर्वाह्न)
9.	आर० सम्पथ	महालेखाकार-II तमिलनाडु, मद्रास	महालेखाकार-II तमिलनाडु, मद्रास	25-9-76 (पूर्वाह्न)
10.	एम० आर० गोधकन्दे	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा- परीक्षा (कोयला) कलकत्ता	निवासी लेखापरीक्षा अधिकारी, नागपुर सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणि- ज्यिक लेखापरीक्षा कलकत्ता के अधीन	28-9-76 (पूर्वाह्न)
11.	ईश्वर चन्द्र जोशी	महालेखाकार, राजस्थान	महालेखाकार-II बिहार, पटना	29-9-76 (पूर्वाह्न)

एस० डी० भट्टाचार्य
उप निदेशक (वाणिज्यिक)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-22, दिनांक 31 दिसम्बर, 1976

सं० 40011 (1)/76-प्रशा०-ए०—रक्षा लेखा महानियंत्रक, निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों (लेखा) को स्थानापन्न लेखा अधिकारियों के रूप में, आगामी आदेश पर्यंत, प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख से एतद द्वारा नियुक्त करते हैं।

क्रम सं०	नाम	संगठन जिसमें सेवार्त है	तारीख
सर्वश्री			
1	बी० एन० श्रीनिवासन	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैंक) दक्षिण मद्रास	30-9-76 (पूर्वाह्न)
2	एन० सी० चक्रवर्ती	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैक्ट्रीज), कलकत्ता।	21-9-76 (पूर्वाह्न)
3	एस० एस० लाम्बा	रक्षा लेखा नियंत्रक, उत्तरी कमान, जम्मू	18-10-76 (पूर्वाह्न)
4	एच० एस० हरिहरन	रक्षा लेखा नियंत्रक, (नौ सेना), बम्बई	7-10-76 (पूर्वाह्न)
5	श्री कृष्ण शर्मा	रक्षा लेखा नियंत्रक, उत्तरी कमान, जम्मू	13-10-76 (पूर्वाह्न)
6	जी० एस० कुलकर्णी	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) (दक्षिण) मद्रास	1-10-76 (पूर्वाह्न)
7	डी० सी० फड़के	रक्षा लेखा नियंत्रक (दक्षिणी कमान), पूना।	1-10-76 (पूर्वाह्न)
8	एच० एस० नारायणन	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास	12-10-76 (पूर्वाह्न)
9	एच० एस० कोहली	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ	6-10-76 (पूर्वाह्न)
10	त्रिलोकी नाथ सरीन	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ	5-10-76 (पूर्वाह्न)
11	जीवन दास मेहरा	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) मेरठ	15-10-76 (पूर्वाह्न)
12	अमृत लाल अरोड़ा	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर मेरठ	30-10-76 (अपराह्न)
13	एन० आर० शेषगिरि राव	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पूना	6-10-76 (पूर्वाह्न)
14	पी० एम० जान	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैंक) दक्षिण मद्रास	11-10-76 (पूर्वाह्न)
15	डी० आर० कालरा	रक्षा लेखा मध्य कमान, मेरठ	7-10-76 (पूर्वाह्न)
16	निर्मल चन्द चड्ढा	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ	29-10-76 (पूर्वाह्न)
17	के० बी० लाहिरी	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना) देहरादून	27-10-76 (पूर्वाह्न)
18	डी० डी० शर्मा	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	30-10-76 (पूर्वाह्न)
19	पी० सी० पुरकाइत	रक्षा लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता।	1-11-76 (पूर्वाह्न)
20	बी० एन० बाते	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पूना।	6-10-76 (पूर्वाह्न)
21	ए० एम० नरसिम्हन	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	8-10-76 (पूर्वाह्न)
22	एस० रामसुब्रह्मण्यन्	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना	1-11-76 (पूर्वाह्न)
23	बी० एम० मुकर्जी	रक्षा लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता।	1-11-76 (पूर्वाह्न)
24	जे० बी० चम्पनेरय्या	रक्षा लेखा नियंत्रक (दक्षिणी कमान), पूना	1-11-76 (पूर्वाह्न)
25	एस० पोन्नय्या	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पूना	1-11-76 (पूर्वाह्न)
26	ए० आर० चटर्जी	रक्षा लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता।	1-11-76 (पूर्वाह्न)
27	के० सी० तिरालिया	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	1-11-76 (पूर्वाह्न)
28	रतिराम	रक्षा लेखा नियंत्रक, उत्तरी कमान, जम्मू	1-11-76 (पूर्वाह्न)
29	महेन्द्र सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	5-11-76 (पूर्वाह्न)
30	शिवचरण सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक, उत्तर, मेरठ	1-11-76 (अपराह्न)

एस० बी० सुब्रह्मण्यन
रक्षा लेखा उप महा नियंत्रक (प्रशा०)

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां
महानिदेशालय, आर्डनेन्स फैक्टरियां

कलकत्ता, दिनांक 27 दिसम्बर, 1976

सं० 3/76/ए०/एम०—रक्षा मंत्रालय के दिनांक 18-3-76 के 6(4)/75/यू० एस० आई०/डी० (फैक्टरी—) II संयुक्त पत्र में निहित भारत के राष्ट्रपति के आदेशानुसार डा० बी० आर० अग्रवाल, अस्थायी सहायक सर्जन ग्रेड-1 (स्थायी सहायक सर्जन ग्रेड-II) आर्डनेन्स फैक्टरी, मुरादनगर को अपने निवेदन पर दिनांक 9-5-76 को स्थायी रूप से सेवा निवृत्त किया गया।

डा० एस० भट्टाचार्या
महानिदेशक, आर्डनेन्स फैक्टरियां

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 दिसम्बर, 1976

सं० प्र० 1/1(1094)—महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा पूर्ति तथा निपटान निदेशालय, मद्रास में अवर क्षेत्र अधि-कारी श्री के० एन० नागराज को दिनांक 25 नवम्बर, 1976 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति निदेशालय (वस्त्र) में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

श्री नागराज की सहायक निदेशक (ग्रेड-2) के पद पर नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी तथा उच्च न्यायालय दिल्ली में श्री ए० कुप्पुस्वामी द्वारा दायर दीवानी याचिका सं० 739/71 के निर्णय के अधीन होगी।

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर, 1976

आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं० 6/806/67-प्रशा०(राज०)/7931—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी वर्ग में स्थायी और इस कार्यालय में नियंत्रक, आयात-निर्यात, श्री आर० पी० बसु को उसी सेवा के वर्ग-1 में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए और आगे की अवधि 1-10-1976 से 31-12-1976 तक अथवा जब तक स्थान खाली है, इनमें से जो भी पहले हो, तक के लिए स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

2. राष्ट्रपति, श्री आर० पी० बसु को मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में पूर्वोक्त अवधि के लिए उप-मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात के रूप में भी नियुक्त करते हैं।

ए० एस० गिल
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

वस्त्र विभाग

हथकरघा विकास आयुक्त का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 दिसम्बर, 1976

सं० 50011/12/76—डी० सी० एच०—श्रीमान् राष्ट्रपति, बुनकर सेवा केन्द्र इन्दौर के सहायक निदेशक, प्रथम श्रेणी (रूपांकन) श्री दीनानाथ भार्गव को 8 जुलाई, 1976 के पूर्वाह्न से, अन्य आदेश होने तक, उसी केन्द्र में उप-निदेशक (रूपांकन) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

रेणु साहनी
उप विकास आयुक्त (हथकरघा)

दिनांक 29 दिसम्बर, 1976

सं० प्र०-1/1(1055)—श्री टी० ए० रामभद्रन ने निरीक्षक निदेशक, मद्रास के कार्यालय में अधीक्षक (अधीक्षण स्तर-II) के अराजपत्रित पद पर पदावत होने पर दिनांक 9 दिसम्बर, 1976 के पूर्वाह्न से पूर्ति तथा निपटान निदेशक, मद्रास के कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) का पद भार छोड़ दिया।

के० एल० कोहली
उपनिदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

(इस्पात विभाग)

लोहा और इस्पात नियंत्रण

कलकत्ता-20, दिनांक 20 दिसम्बर, 1976

सं० ई० L-2(2)/71(.)—स्थापनापन्न रूप से नियुक्त श्री सुधीररंजन बोस राय, उप सहायक लोहा और इस्पात नियंत्रक को एतद्वारा 17-12-76 से स्थानापन्न सेवा के लिए सहायक निदेशक (प्रशासन) के पद पर नियुक्त किया जाता है।

टी० घोष
लोहा और इस्पात नियंत्रक

वेतन आयुक्त के कार्यालय (ईस्को)

कलकत्ता-20, दिनांक 29 दिसम्बर, 1976

सं० ईस्को (प्रतिपूरक/नीति) (.)—मैं वेतन आयुक्त भारतीय लोहा और इस्पात कंपनी (शेयर-अर्जन) धारा के खण्ड 5(2) 1976, (सेन्ट्रल एक्ट 89, 1976 के) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्ति को प्रयोग करते हुए एतद्वारा श्री यु० के० मुखोपाध्याय को जो कि केन्द्रीय सरकार में अधिकारी की हैसियत से नियुक्त

हैं को मेरे और से कार्यमुक्ति प्रदान करने के लिए प्राधिकृत करता हूँ। देखिए इस्पात विभाग अधिसूचना दिनांक 24 दिसम्बर, 1976 जैसा कि यह कार्य मंत्रालय सं० आई० एन० डी० 11-8 (67)/76 दिनांक 24-12-1976 के अनुसार खण्ड 8 और 10 उक्त धारा के अधीन मुझ में वेतन आयुक्त के हिसाब से निहित किया गया है।

टी० घोष
वेतन आयुक्त

(खान विभाग)

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 29 दिसम्बर, 1976

सं० ए० 19011(188)/75-स्था० ए०—राष्ट्रपति श्री एन० एम० मांगोडे को 4 दिसम्बर, 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में उप खान नियंत्रक के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 31 दिसम्बर 1976

सं० गो० 5173/707—निम्नलिखित अधिकारियों को भारतीय सर्वेक्षण विभाग में अधिकारी सर्वेक्षक (ग्रुप 'बी०' पद) के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो० 40-1200 रु० के वेतनमान में उनके नाम के सामने दी गई तारीखों से स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

नाम तथा पद	यूनिट/कार्यालय	से
1. श्री आर० एस० ईश्वरन्, ड्राफ्ट्समैन डिजीजन (सलेक्शन ग्रेड)	सं० 4 आरेखण कार्यालय (द० सं०), बंगलौर।	19-11-76 (पूर्वाह्न)
2. श्री एन० बी० नायर, सर्वे असिस्टेंट (सलेक्शन ग्रेड)	सं० 8 आरेखण कार्यालय (द० म० सं०) हैदराबाद।	20-11-76 (पूर्वाह्न)
3. श्री सोहन सिंह, सर्वे असिस्टेंट (सलेक्शन ग्रेड)	सं० 43 पार्टी (प्रा० मा० उ०) हैदराबाद।	20-11-76 (पूर्वाह्न)

के० एल० खोसला,
मेजर जनरल,
भारत के महासर्वेक्षक
(नियुक्ति प्राधिकारी)

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 27 दिसम्बर, 1976

सं० 17/59/49-सिबन्दी-1—श्री जि० के० डी० नाग, स्थानापन्न शाखा प्रबन्धक फिल्म प्रभाग लखनऊ छुट्टी से वापस आने के कारण श्री आर० पी० शर्मा स्थानापन्न शाखा प्रबन्धक फिल्म प्रभाग लखनऊ, दिनांक 12-11-1976 के अपराह्न से विराम के पद पर प्रत्यावर्तित माने जाएंगे।

दिनांक 31 दिसम्बर, 1976

सं० ए० 12026/7/75-सिबन्दी-1—श्री एम० चन्द्रन्, नायर स्थानापन्न प्रशासकीय अधिकारी का परिवर्तन दिनांक 24-12-76 अपराह्न से सहायक प्रशासकीय अधिकारी के पद पर होने के कारण श्री व्ही० आर० पेसवानी दिनांक 24-12-1976 से अपराह्न से अधिकारी के पद पर फिल्म प्रभाग बम्बई में प्रत्यावर्तित माने जाएंगे।

एम० के० जैन
प्रशासकीय अधिकारी
रुते प्रमुख निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 दिसम्बर, 1976

सं० 9-56/75 के० से० स्वा० यो०-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने 30 नवम्बर, 1976 पूर्वाह्न से डा० एम० के० शर्मा का केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, बम्बई के अधीन आयुर्वेदिक चिकित्सक के पद से त्याग पत्र मंजूर कर लिया है।

दिनांक 4 जनवरी, 1977

सं० ए० 39013/7/76-के० से० स्वा० यो०-I—अपने त्यागपत्र मंजूर हो जाने के फल स्वरूप डा० पी० वकाया, कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (तदर्थ), ने 15 नवम्बर, 1976 अपराह्न से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

राजकुमार जिन्दल, उप निदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर, 1976

सं० ए० 22013/2/76-प्रशासन 1—राष्ट्रपति केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के एक स्थायी अधिकारी श्री ओ० पी० बाली को 6-12-1976 पूर्वाह्न से 22-1-1977 तक 48 दिन के लिये केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड-I के पद पर स्थानापन्न से नियुक्त करते हैं।

राष्ट्रपति उपर्युक्त अधि के लिए श्री ओ० पी० बाली को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में उपनिदेशक प्रशासन के पद पर भी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 4 जनवरी, 1977

सं० ए० 12023/21/76(के० स्वा० शि० ब्यूरो) प्रशासन-I स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री डी० लक्ष्मी नारायण, स्वास्थ्य शिक्षा तकनीशियन ग्रेड-I (स्क्रिप्ट राइटर) केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली, को 1 नवम्बर 1976 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी ब्यूरो में सहायक सम्पादक (आकाशवाणी एवं दूरदर्शन) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया।

शाम लाल कुठियाला, उप निदेशक

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(ग्राम विकास विभाग)

विपणन और निरीक्षण निदेशालय

(प्रधान शाखा कार्यालय)

नागपुर, दिनांक दिसम्बर, 1976

सं० फा० 3(44)/9/72 विकास II—वित्त विभाग (केन्द्रीय राजस्व) सीमा शुल्क अधिसूचना सं० 12, दिनांक 1 जून, 1945

और सीमा शुल्क अधिसूचना सं० 1 कैम्प दिनांक 5 जनवरी, 1946 और भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व मंडल) सीमा शुल्क अधिसूचना सं० 6 दिनांक 5 फरवरी, 1949 और भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) सीमा शुल्क अधिसूचना सं० 64 दिनांक 17 जून, 1961 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए, मैं एतद्वारा सर्वश्री एस० बी० चक्रवर्ती और एस० अहमद, सहायक विपणन अधिकारियों को इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख से तम्बाकू जिसका श्रेणीकरण तम्बाकू श्रेणीकरण और चिह्न, 1937 (यथा संशोधित) के अनुसार किया जा चुका है तथा जिनका निर्यात उपरोक्त अधिसूचनाओं के उपबन्धों के अधीन है, के सम्बन्ध में श्रेणीकरण प्रमाण पत्र जारी करने के लिए प्राधिकृत करता हूँ।

जे० एस० उप्पल, कृषि विपणन सलाहकार

फरीदाबाद, दिनांक 5 जनवरी, 1977

सं० फा० 4-13(24)/75-प्र० III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री एम० आर० गोल्वा को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय बम्बई में दिनांक 16 जून, 1976 से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप में नियमित आधार पर मुख्य ऊन परीक्षण अधिकारी नियुक्त किया गया है।

बी० एल० मनीहर, निदेशक
कृषि-विपणन सलाहकार

दिल्ली, दुग्ध योजना

नई दिल्ली, दिनांक 3 जनवरी, 1977

सं० 3-60/76-स्था० (विशेष)—निम्नलिखित सहायक दुग्ध वितरण अधिकारियों को दिनांक 19-7-1976 (पूर्वाह्न) से दिल्ली दुग्ध योजना में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतन में नियमित आधार पर दुग्ध वितरण अधिकारी (ग्रुप 'बी०' राजपत्रित) के पद पर नियुक्त किए जाते हैं :

1. श्री डी० डी० बंसल
2. श्री आर० के० मल्होत्रा
3. श्री तेज लाल

गोरख राम, अध्यक्ष

भाभा प्रमाण अनुसंधान केन्द्र

(कामिक प्रभाग)

बम्बई, दिनांक 19 अक्टूबर, 1976

सं० पी० ए०/73(2)/75-आर० 4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक डा० (श्रीमती) सुशीला इंद्रजीत प्रसाद

को 3 सितम्बर, 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक के लिए अस्थायी रूप से स्थानापन्न स्थानिक चिकित्सा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

पी० उन्नीकृष्ण, उप-स्थापना अधिकारी (भ)

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय एवं भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 14 दिसम्बर 1976

सं० डी० पी० एस०/ए०/32011/3/76/स्थापना—परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय तथा भंडार निदेशक, इस निदेशालय के अस्थायी सहायक श्री करविथल रवीन्द्रन को, श्री बी० जी० कुलकर्णी, सहायक कामिक अधिकारी, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई, के स्थान पर 22 नवम्बर, 1976 (पूर्वाह्न) से 31 दिसम्बर, 1976 (अपराह्न) तक रुपये 650-30-740-35-880-६० रो०-40-960 के वेतनमान में तदर्थ आधार पर सहायक कामिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 20 दिसम्बर 1976

सं० डी० पी० एस०/ए०/12024/5/76/स्थापना/18141—परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय एवं भंडार निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी सहायक लेखापाल तथा क्रय एवं भंडार निदेशालय के अस्थायी सहायक लेखा अधिकारी श्री गजानन लक्ष्मण हल्दिपुर को उनका चुनाव परमाणु ऊर्जा विभाग के संवर्ग प्राधिकरण द्वारा लेखा अधिकारी II के पद के लिए कर लिया जाने तथा उन्हें क्रय एवं भंडार निदेशालय में तैनात किया जाने पर, 2 अगस्त, 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक उसी निदेशालय में स्थानापन्न रूप से लेखा अधिकारी II नियुक्त करते हैं।

दिनांक 22 दिसम्बर 1976

सं० डी० पी० एस०/ए०/32011/3/76-स्था०—परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय एवं भंडार निदेशक, इस निदेशालय के अस्थायी क्रय सहायक श्री वेलियस्तुपरम्बिल चक्रवर्ती वर्को को, श्री बी० एल० ठाकुर, सहायक क्रय अधिकारी, जिन्हें क्रय अधिकारी नियुक्त किया गया है, के स्थान पर 10 नवम्बर, 1976 के पूर्वाह्न से 24 दिसम्बर, 1976 के अपराह्न तक उसी निदेशालय में 650-30-740-35-810-६० रो०-35-880-40-1000-६० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में तदर्थ आधार पर अस्थायी रूप से सहायक क्रय अधिकारी नियुक्त करते हैं।

बी० पी० खोपड़ा, प्रशासन अधिकारी

रिप्रेक्टर अनुसंधान केन्द्र

कलकत्ता, दिनांक 22 दिसम्बर 1976

सं० आर० आर० सी० IL-13(ii)/76-16441—रिप्रेक्टर अनुसंधान केन्द्र के परियोजना निदेशक, इस केन्द्र के अस्थायी

वैज्ञानिक सहायक 'सी०' श्री याकूब बाकर गरीफ को 1 अगस्त, 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए इसी केन्द्र में अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एम० बी० नियुक्त करने हैं।

के० शंकरनारायणन,
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 30 दिसम्बर 1976

सं० ई० (1) 05438—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री आर० के० मदान को 15-11-1976 के पूर्वाह्न से 13-1-1977 तक 60 दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

१ मदान, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी निदेशक, मौसम केन्द्र, नई दिल्ली में ही तैनात रहेंगे।

नई दिल्ली, दिनांक 3 जनवरी 1977

सं० ई० (1) 06280—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली के कार्यालय के अधीन मौसम केन्द्र, श्रीनगर में व्यावसायिक सहायक श्री भवानी वत्त को 21-10-76 के पूर्वाह्न से 17-1-77 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री भवानी वत्त, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली के कार्यालय के अधीन मौसम केन्द्र श्रीनगर में ही तैनात रहेंगे।

एम० आर० एन० मणियन, मौसम विज्ञानी
हूते वेधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 जनवरी 1977

सं० ए०-24013/77/75-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री डी० जे० एच० राइट, सहायक संचार अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई को मूल नियम 56(के०) के उपबंधों के अनुसार 30 नवम्बर, 1976 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति प्रदान की है।

विश्व विनोद जोहरी, सहायक निदेशक प्रशासन
हूते महानिदेशक, नागर विमान

नई दिल्ली, दिनांक 15 दिसम्बर 1976

दिनांक 22 दिसम्बर, 1976

सं० ए०-32013/4/75-ई० सी०—राष्ट्रपति ने नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद के श्री डी० के० चट्टोपा, सहायक तकनीकी अधिकार को 30-12-1975 (पूर्वाह्न) से तथा अगले आदेश होने तक, नियमित आधार पर तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें निदेशक, रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली के कार्यालय में तैनात किया है।

सं० ए०-12025/8/75-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री प्रफुल कुमार कपूर को 30 नवम्बर, 1976 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में स्थानापन्न रूप में संचार अधिकारी के पद पर नियुक्त किया और उन्हें वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता में तैनात किया है।

नई दिल्ली, दिनांक 22 दिसम्बर 1976

सं० ए० -12025/8/75-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित व्यक्तियों को उनके नामों के सामने दी गई तारीख से अगले आदेश होने तक नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में स्थानापन्न रूप में तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है और उन्हें उनके सामने दिखाए गए स्टेशनों पर तैनात किया है :—

क्रम सं०	नाम	नियुक्ति की तारीख	तैनाती कार्यालय/स्टेशन
1. श्री सुरेश चन्द दुग्गल	.	19-11-76 (पूर्वाह्न)	रेडियो निर्माण एवं विकास मंडल एकक नई दिल्ली
2. श्री कुलदीप सिंह	.	29-11-76 (पूर्वाह्न)	
3. श्री जीत सिंह छाबड़ा	.	27-11-76 (पूर्वाह्न)	
4. श्री एस० सुन्दरगमन	.	30-11-76 (पूर्वाह्न)	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता
5. श्री विक्रमादित्या मनुजा	.	30-11-76 (पूर्वाह्न)	रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली।
6. श्री राम कुमार सिंघल	.	1-12-76 (पूर्वाह्न)	रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली।

सं० ए० 32013/9/76-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित तकनीकी अधिकारियों को उनके नामों के सामने दी गई तारीख से 31-12-1976 तक या पदों के नियमित रूप से भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर बरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है और उन्हें उनके नामों के सामने दिखाए गए स्टेशन पर तैनात किया है :—

क्रम सं०	नाम	वर्तमान तैनाती स्टेशन	तारीख जिसको कार्यभार ग्रहण किया	नया तैनाती स्टेशन
1. श्री एस० कृष्णास्वामी	.	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता।	3-12-76 (पूर्वाह्न)	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता
2. श्री एस० पी० हरदास	.	वै सं० स्टेशन, गौहाटी	3-12-76 (पूर्वाह्न)	वै० सं० स्टेशन, गौहाटी

दिनांक 5 जनवरी 1977

विदेश संचार सेवा

सं० ए०-35019/1/72-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन के स्थायी सहायक तकनीकी अधिकारी श्री एच० एस० मोहन को 26 अप्रैल, 1976 से सुरक्षा महानिदेशालय, विमानन अनुसंधान केन्द्र, नई दिल्ली के निदेशक के कार्यालय के विमानन अनुसंधान केन्द्र (तकनीकी) में स्थायी रूप से नियुक्त करते की अनुमति प्रदान की है।

विश्व विनोद जौहरी,
सहायक निदेशक प्रशासन

बम्बई, दिनांक जनवरी 1976

सं० 1/367/76-स्था०—विदेश संचार सेवा के महा निदेशक एतद्वारा बम्बई शाखा के पर्यवेक्षक, श्री आर० एल० मेनेजंस को अल्पकालिक रिक्त स्थान पर 11-10-76 से 27-11-76 (दोनों दिन मिलाकर) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबन्धक के पद पर नियुक्त करते हैं।

एम० एस० कृष्णास्वामी, प्रशासन अधिकारी
कृते महा निदेशक

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 3 जनवरी 1977

सं० 16/251/76-स्थापना 1—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महा विद्यालय, देहरादून श्री लाकपाल को दिनांक 28 अक्टूबर, 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक पूर्वी वन राजिक महाविद्यालय कुरसिआंग, पश्चिम बंगाल में अस्थायी रूप में सहायक व्याख्याता, अभियांत्रिकी व सर्वेक्षण नियुक्त किया।

पी० आर० के० भटनागर, कुल सचिव
वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

नियरी श्रेणी- 2 सेवा में अतिरिक्त सहायक निदेशक/ सहायक इन्जीनियर के ग्रुड में 21-9-1976 पूर्वाह्न से, अन्य आदेश होने तक नियुक्त करते हैं।

पी० एम० मिराजुद्दीन,
अवर सचिव

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 तथा मेमर्स पेरेडाइज इण्डस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 28 दिसम्बर 1976

सं०/ 560/ 1071— कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मेमर्स पेरेडाइज इण्डस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेमर्स अमर बेनीफिट प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 4 जनवरी 1977

सं०/ 560/ 1306— कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेमर्स अमर बेनीफिट प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शात न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

जे० गो० गाथा,
कम्पनी का रजिस्ट्रार गुजरात

नाम (सर्व श्री)	वर्तमान पदनाम
1. एम० एन० माधुर	कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) दिल्ली राज्य औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड, नई दिल्ली में प्रतिनियुक्ति पर।
2. के० बी० राजशेखर	कार्यपालक इंजीनियर (विद्युत) केन्द्रीय सतर्कता आयोग नई दिल्ली में प्रतिनियुक्ति पर
3. पी० एन० चटर्जी	कार्यपालक इंजीनियर (विद्युत) कलकत्ता केन्द्रीय विद्युत मण्डल 1, कलकत्ता
4. आर० एन गांगुली	कार्यपालक इंजीनियर (विद्युत) पटना केन्द्रीय विद्युत मण्डल, के लो सि वि, पटना

पी० एम० पारवानी
प्रशासन उपनिदेशक

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली- 22, दिनांक 16 दिसम्बर 1976

सं० 6/21/76-प्रशासन-2—अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एतद्वारा श्री महेन्द्र कुमार पयवैशक, को केन्द्रीय विद्युत इन्जी-

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेमर्स दी मेवाड़ मिन्गल्स कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

जयपुर, दिनांक 30 दिसम्बर 1976

सं० सांख्यिकी/ 89 ए/ 14860— कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में

एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि मेसर्स दी मेबाइ मिन्टल्स कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

रामदयाल कुरील
कम्पनियों का रजिस्ट्रार राजस्थान

कृष्णागिरी, दिनांक 30 दिसम्बर 1976

सं० 1297/247(4)/LiQn/6-1913 एक्ट—यतः दि कृष्णागिरी श्री कन्नियका परमेश्वरी बैंक लिमिटेड (इन लिक्विडेशन) जिसका रजिस्ट्रेशन कार्यालय 5/3, पी० बी० बेंगलुरु चट्टी निवास, बाजार स्ट्रीट कृष्णागिरी में है, का समापन किया जा रहा है,

और यतः अधोहस्ताक्षरित यह विश्वास करने का युक्ति युक्त हेतुक रखता है कि कोई समापक द्वारा कार्य नहीं कर रहा है और यह कि लेखा विवरणियों से समापक द्वारा दिए जाने के लिए अपेक्षित है, यह क्रमवक्ता मास के लिए नहीं दी गई है,

अतः अब कम्पनी अधिनियम 1913 की धारा 247 की उपधारा (4) के उपबंधों के अनुसरण में एतद्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना की तारीख से तीन मास के अवधान पर कृष्णागिरी श्री कन्नियका परमेश्वरी बैंक लिमिटेड (इन लिक्विडेशन) का नाम यदि इसके प्रतिकूल हेतुक दर्शित नहीं किया जाता है तो, रजिस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पी० अन्नपूर्ण
कम्पनियों का उप रजिस्ट्रार, तमिलनाडु

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कोयंबतूर महालक्ष्मी एजेंसी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 31 दिसम्बर, 1976

सं० 4411(डी० एन०/560(5)/76—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि कोयंबतूर महालक्ष्मी एजेंसी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री सरू ट्रान्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 31 दिसम्बर 1976

सं० 4131/डी० एन०/560(5)/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि श्री सरू ट्रान्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

द्वारा सूचना दी जाती है कि श्री सरू ट्रान्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री तिरुपुर सुंदरी ट्रान्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 31 दिसम्बर 1976

सं० 4357/डी० एन०/560(5)/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि श्री तिरुपुर सुंदरी ट्रान्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री डोल्ब कुमार सामि बस सर्विस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 31 दिसम्बर 1976

सं० 4643/डी० एन०/560(5)/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि श्री डोल्ब कुमार सामि बस सर्विस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और अखिलाडे उवटी ट्रान्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 31 दिसम्बर 1976

सं० 4705/डी० एन०/560(5)/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि अखिलाडे उवटी ट्रान्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और स्वरूप ट्रान्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 31 दिसम्बर 1976

सं० 4895/डी० एन०/560(5)/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि स्वरूप ट्रान्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

पि० भास्कर राव, सहायक
कम्पनियों का रजिस्ट्रार, तमिलनाडु

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 445 के अन्तर्गत और हिन्द
हाउसिंग और कान्स्ट्रक्शन लिमिटेड, लखनऊ के सम्बन्ध में।

नोटिस

कानपुर, दिनांक 28 दिसम्बर 1976

सं० 1855 लिक्वोरेशन—बहुकम हार्द कोर्ट अलाहाबाद
दिनांक 6-4-1970 जो कि कम्पनी पिटीशन नम्बर 18 वर्ष
1977 के अनुसार हुआ है।

हिन्द हाउसिंग एण्ड कान्स्ट्रक्शन लिमिटेड, लखनऊ के
कार्यों को बन्द किया जाता है और उसके कार्यों की देख भाल
आफिसियल लिक्वोरेशन, अलाहाबाद, को सौंप दिया गया
है।

(एस० नारायणन)

कम्पनी रजिस्ट्रार, उत्तर प्रदेश

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 जनवरी 1977

निदेश सं० एफडीके 115/76-77—यतः मुझे वी०
आर० सागर

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०
से अधिक है,

और जिसकी सं० जमीन जो ग्राम-आलमवाला में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मलौट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व,
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती जगीर कौर विधवा श्री लाल सिंह पुत्र श्री
मोता सिंह निवासी ग्राम आलमवाला।

(अन्तरक)

2. श्री हरी सिंह इत्यादि निवासीगण ग्राम-आलमवाला
(आलमवाला)।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि
कोई किरायेदार हो:—

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये एतद् द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि योग्य भूमि माप के० एम० 315-2 ग्राम-आलमवाला में
जैसा कि रजिस्ट्रीकृत बिलेख संख्या 299 मई 1976 में उप
निबन्धक मलौट द्वारा पंजीकृत है।

वी० आर० सागर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 6-1-1977
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 जनवरी 1977

निर्देश सं० एफजेडआर/116/76-77—यतः मुझे वी० आर० सागर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 265ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन है तथा ग्राम-पंचायती में नई ग्रेन मार्किट के सामने फाजिल्का में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फाजिल्का में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अनिल कुमार पुत्र मुरारी लाल स्वयं और मस्तार आम मरारी लाल पुत्र खजानचन्द 3-बिपन पाल उर्फ यशपाल पुत्र मुरारी लाल 4-सरस्वती देवी पत्नी मुरारी लाल, फाजिल्का । (अन्तरक)

2. श्री कृष्ण लाल पुत्र मंशी राम पुत्र हरी राम, फाजिल्का । (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर आंकित है और यदि कोई किरायेदार हो:—

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि योग्य भूमि ग्राम-पंचायती में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 401, मई, 1976 में उप-निबंधक फाजिल्का द्वारा पंजीकृत है ।

वी० आर० सागर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 6-1-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 जनवरी 1977

निदेश सं० एफजेडआर/117/76-77—यतः मुझे बी०
आर० सागर

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन ग्राम-पंचायती, नई ग्रेन मार्किट के
सामने, फाजिल्का में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
फाजिल्का में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मई 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री अनिल कुमार पुत्र श्री मुरारी लाल पुत्र खजानचन्द
(2) श्री मुरारी लाल पुत्र खजानचन्द
(3) श्री विपन पाल उर्फ यशपाल पुत्र श्री मुरारी लाल
(4) श्रीमती सरस्वती देवी पत्नी मुरारी लाल निवासी
फाजिल्का द्वारा श्री अनिल कुमार पुत्र श्री मुरारी लाल निवासी
—फाजिल्का।

(अन्तरक)

2. श्रीमती इन्द्रो देवी पत्नी मुशी राम पुत्र हरी राम
निवासी—फाजिल्का।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और
यदि कोई किरायेदार हों :—

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि योग्य भूमि ग्राम-पंचायती में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत
विलेख संख्या 419 मई, 1976 में उप निबन्धक, फाजिल्का द्वारा
पंजीकृत है।

बी० आर० सागर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 6-1-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 जनवरी 1977

निदेश सं० एफजेडआर/118/76-77—यतः मुझे वी०
आर० सागर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० जमीन है तथा जो ग्राम-पंचायती नई ग्रेन मार्किट
के सामने, फाजिल्का में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, फाजिल्का में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम को धारा 269 ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री अनिल कुमार पुत्र श्री मुरारी लाल पुत्र
श्री खजानचन्द

(2) श्री मुरारी लाल पुत्र खजानचन्द

(3) श्री विपन पाल उर्फ यशपाल पुत्र श्री मुरारी लाल

(4) श्रीमती सरस्वती देवी पत्नी मुरारी लाल निवासी
फाजिल्का द्वारा अनिल कुमार पुत्र श्री मुरारी लाल पुत्र श्री
खजानचन्द निवासी—फाजिल्का। (अन्तरक)

2. श्रीमती रूप रानी पत्नी श्री कृष्ण लाल पुत्र श्री मुन्शी
राम निवासी फाजिल्का। (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और
कोई यदि किरायेदार हो :—

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि योग्य भूमि ग्राम-पंचायती में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत
विलेख संख्या 420 मई 1976 में उप-निबंधक फाजिल्का
द्वारा पंजीकृत है।

वी० आर० सागर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 6-1-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 जनवरी 1977

निदेश सं० एफजेडआर/119/76-77—यतः मुझे वी०
आर० सागर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन है तथा जो नई अनाज मार्किट, के
सामने फाजिल्का (ग्राम पंचावली में) में स्थित है और
इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, फाजिल्का में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1976 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3-426GI/76

1. श्री अनिल कुमार पुत्र श्री मुरारी लाल पुत्र खजान चन्द
स्वयं और मुख्तार ग्राम मुरारी लाल पुत्र खजानचन्द

(2) विपन पाल उर्फ यशपाल पुत्र खजानचन्द, सरस्वती
देवी पत्नी मुरारी लाल, फाजिल्का

(अन्तरक)

2. (1) श्री सतपाल पुत्र मुंशीराम

(2) मुंशीराम पुत्र हरीराम, फाजिल्का

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर है और यदि कोई
किरायेदार हो:—

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

कृषि योग्य भूमि, ग्राम-पंचावली में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत
विलेख संख्या 432, मई, 1976 में उप-निबन्धक, फाजिल्का
द्वारा पंजीकृत है।

वी० आर० सागर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख: 6 जनवरी 1977।

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 जनवरी 1977

निदेश सं० एएसआर/120/76-77—यतः मुझे, वी० आर० सागर

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन है तथा जो गांव अजनाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अजनाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री महेंद्र सिंह पुत्र श्री उजागर सिंह गांव रुडासा नजदीक राजा सांसी तहसील अजनाला (अमृतसर) (अन्तरक)

2. श्री हरभजन सिंह पुत्र श्री शमशेर सिंह 1/3 हिस्सा, श्रीमती सुरेन्द्र कौर पुत्री श्री अमोलक सिंह 1/3 हिस्सा, श्री अमरलाल पुत्र श्री हरभजन सिंह 1/3 हिस्सा, लीलावन, दी माल, लुधियाना। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवन्त है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी ध्यवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विवेक नं० 417 मई, 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अजनाला में लिखा है।

वी० आर० सागर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 6-1-1977
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 22 दिसम्बर 1976

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु० 1/एस० आर० 3/
1142/अग० 2/(16)/75-77—यतः मुझे, बी० के० सिन्हा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है और

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 138 है तथा जो ब्लॉक नं० 171
सुन्दर नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप में वर्णित है), जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 31/8/1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री एच० के० लाल पुत्र श्री गुरदित्त मल निवासी
3/9 रूप नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती हरबंस कौर पत्नी एस० भगवन्त सिंह निवासी
138, सुरन्दर नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20क में यथा परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 0.179 वर्ग गज जो कि
प्लॉट नं० 138 ब्लॉक नं० 171 सुन्दर नगर, नई दिल्ली में
ठाई मंजिली जायदाद है जो कि निम्न प्रकार से घिरी है :—

उत्तर : संबंधित सड़क

वक्षिण : सर्विस लैन

पूर्व : प्लॉट नं० 136

पश्चिम : प्लॉट नं० 140।

बी०के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 22-12-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन् रेंज-3 दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 6 जनवरी 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/II/सं० र०II/अगस्त/530(3)/76-77/4698—यतः मुझे एस० सी० पारीजा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 25बी/6 है तथा जो न्यू रोहतक रोड, डब्ल्यू ई० ए० करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-8-1976 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्व श्री ओम प्रकाश, कुण्ण लाल, अमर नाथ और सोम नाथ, सभी पुत्रगण लाला भगवान दास और श्रीमती विनोद बाबा पत्नी श्री बलदेव राज निवासी 28/53-54 वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. डा० (श्रीमती) स्वर्ण कान्ता जैन पत्नी डा० विरेन्द्र कुमार जैन निवासी 847 जोशी रोड, करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 316 वर्ग गज या लगभग (40' 8" × 70' 3") चार दिवारी समेत जिसका प्लॉट नं० 25-बी/6 न्यू रोहतक रोड, वेस्टर्न एक्सपेंशन एरिया करोल बाग, नई दिल्ली जिसका म्यूनिसिपल नं० 16/7449 है जो कि निम्न प्रकार से घिरा है :—

उत्तर : न्यू रोहतक रोड

पूर्व : प्लॉट नं० 25बी/5

दक्षिण : सर्विस लैन

पश्चिम : जायवादा प्लॉट नं० 25 बी/7 पर

एस० सी० पारीजा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अजन् रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 6-1-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 6 जनवरी 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/मई/503(1)/

76-77/4698—यतः मुझे एस० सी० पारीजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 12032 है तथा जो प्लॉट नं० 4, सड़क नं० 34 बैस्टर्न एक्सटेंशन, एरिया, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करोल बाग, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6 मई 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री विनोद कुमार पुत्र श्री ओम प्रकाश स्वयं और उसके उत्तराधिकारी

(2) श्री हर्ष कुमार (नाबालिग) पुत्र श्री विनोद कुमार

(3) श्रीमती सुनीता रानी पत्नी श्री विनोद कुमार निवासी मथुरा भवन, रुड़की। (अन्तरक)

2. (1) श्री मदन लाल बाही पुत्र श्री दौलत राम बाही निवासी ई-312 माडल टाउन, दिल्ली।

(2) श्री बंसी लाल बाही पुत्र श्री दौलत राम बाही निवासी 401 निमरी कालोनी, भारत नगर, दिल्ली।

(3) श्री केवल कृष्ण बाही पुत्र श्री दौलत राम बाही निवासी 61/19-रामजस रोड, करोल बाग, नई दिल्ली।

(4) श्री राजकरन बाही पुत्र श्री दौलत राम बाही निवासी 53/83-रामजस रोड, करोल बाग, नई दिल्ली।

(5) श्रीमती उर्मिला रानी पत्नी श्री मदन लाल बाही निवासी ई-312 माडल टाउन, दिल्ली।

(6) श्रीमती नीता रानी पत्नी श्री बंसी लाल बाही निवासी 401-निमरी कालोनी, भारत नगर, दिल्ली।

(7) श्रीमती बिमला रानी पत्नी श्री केवल कृष्ण बाही निवासी 61/19 रामजस रोड, करोल बाग, नई दिल्ली।

(8) श्रीमती शशी बाला पत्नी श्री राजकरन बाही निवासी 53/83-रामजस रोड, करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

3. (1) श्री एल० बी० राय

(2) मै० मदन लाल एण्ड कं०

(3) मै० ब्लड बैंक आरगेनाइजेशन 4 पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली। (यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला जायबाद नं० 12032 जो कि प्लॉट नं० 4 क्षेत्रफल 1450 वर्ग गज सड़क नं० 34 खसरा नं० 862/767, बैस्टर्न एक्सटेंशन एरिया, करोल बाग, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से घिरा है:—

पूर्व : पूसा रोड

पश्चिम : सड़क

उत्तर : प्लॉट नं० 3 पर जायबाद

दक्षिण : प्लॉट नं० 5 पर जायबाद

एस० सी० पारीजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 6-1-77

मोहर :

प्रत्येक आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल 76-77/779
अतः मुझे, बी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कृषिभूमि है, जो नरसिंगपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नरसिंगपुर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-5-76 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अमुं सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्रीमती मीना बाई पत्नी श्री बुद्धा कुरमी निवासी मगरलाई जिला नरसिंगपुर।

(2) श्री मंगलसिंह

(3) श्री शिव प्रसाद दोनों पुत्र श्री बुद्धा कुरमी निवासी मगरलाई, जिला नरसिंगपुर।

(अन्तरक)

2. श्री प्रेम चन्द्र पुत्र श्री राम लाल साहू निवासी इतवारा बाजार आजाद बाई, नरसिंगपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

कृषि भूमि, खसरा नं० 43/1, 23/2 कुल क्षेत्रफल 4.379 हेक्टेयर स्थित ग्राम मगरलाई जिला नरसिंगपुर।

बी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज भोपाल

तारीख: 4-1-77

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एल०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जनवरी 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल 76-77/781—

यतः मुझ वी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० खाली भूमि है, जो ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-6-76 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. वी सिन्धिया इन्व्हेस्टमेंट प्रा० लि० ग्वालियर।

(अन्तरक)

2. मैसर्स शुक्कर गृह निर्माण सहकारी संस्था, लस्कर, ग्वालियर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवादा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली भूमि क्षेत्रफल 2,06,301 वर्गफुट स्थित जय विलास पैलेस, ग्वालियर।

वि० के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 5-1-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल 76-77/780—
यतः मुझे, बी० के० सिन्हा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट है, जो रायपुर में स्थित है (और इससे
उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 15-7-76
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरी भाई पुत्र श्री धोरी भाई
(2) श्री शैलेश कुमार, पुत्र श्री हरी भाई सभी निवासी
बैजनाथ पारा, रायपुर।

(अन्तरक)

2. (1) श्री मोह० जहीर उर्फ कल्लू मिस्त्री पुत्र श्री
हाजी कासिमुद्दीन

(2) श्री मोह० जावेद पुत्र जहीर निवासी बैजनाथ पारा
रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

नजूल प्लॉट नं० 7/2, ब्लॉक नं० 101, कच्चा मकान,
मकान नं० 8/177 स्थित छोटा पारा, रायपुर।

बी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 4-1-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जयपुर

जयपुर, दिनांक 5 जनवरी 1977

निर्देश सं० राज०/महा० आ० अर्जन/360---यतः मूले,
आर० के० भल्ला

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० $\frac{54-55}{1}$ है तथा जो उदयपुर में, स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26 जून 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती मोहन कठवर पत्नी श्री प्रताप सिंह महारिया निवासी फतेहपुरा, सहेलियों की बाड़ी के सामने, उदयपुर।
(अन्तरक)

2. (1) सर्व श्री मुखदेव पुत्र जवारजी आडा, निवासी पंचारिया, तह० मारवाड़ जंमन (पाली),

(2) मोर्धन सिंह पुत्र मोहन सिंह आशिया निवासी कडिया तह० नाथद्वारा

(3) सत्यदेवजी पुत्र रामसिंहजी भाटा निवासी सर-वानिया तहसील बल्लभनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० $\frac{54-55}{1}$ सुखाड़िया सकिल, रेलवे ट्रेनिंग के पास, उदयपुर जो और विस्तृत रूप से उप पंजियक, उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 1071 दिनांक 26-6-76 को पंजिबद्ध विक्रयपत्र।

आर० के० भल्ला

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 5-1-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रीमती के० जी० एम० पो०, आयुर्वेदिक अस्पताल बिल्डिंग, नेताजी सुभाष रोड, 5वां माला, अ० ई०-3, बम्बई-400002

बम्बई, दिनांक 24 दिसम्बर 1976

निर्देश सं० अ० ई० 3/1080/जून-76—अतः मुझे, एम० जे० माथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 13 बी, एस० सं० 161 है तथा जो गोरगांव (प०) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उप रजिस्ट्रार का कार्यालय, बम्बई, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-6-76 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

1. मैसर्स लक्ष्मी असबैसटास प्रोडक्ट्स लि०, श्रीनिवास हाऊस, चौथा माला, आजारीमल सोमानी मार्ग, फोर्ट, बंबई-1 (अन्तरक)

2. मैसर्स जाल रत्न दीप को० प्रा० हा० सो० लि०, प्लॉट सं० 13बी, एस० सं० 161, एस० जी० मार्ग, बेंगुर नगर, गोरगांव (प०) बम्बई-62।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 13 बी, एस० नं० 161, एस० जी० रोड, बेंगुर नगर, गोरगांव (प०) बम्बई-62 क्षेत्रफल 5525 वर्गगज या 461.60 वर्गमीटर। और उस पर खड़ी हुई बिल्डिंग सहित।

एम० जे० माथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 3, बम्बई

तारीख : 24 दिसम्बर 1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 जनवरी 1977

निर्देश सं० 501/एक्यू 23-890/14-4/76-77—

अतः मुझे पी० एन० मित्तल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 590/1 है जो गांव कुदल सीम,
ता० कड़ी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कड़ी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 17)
के अधीन मई 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री पटेल शिवाभाई माधवलाल
(2) पटेल बाबुलाल छगनलाल
(3) सूरजबेन, पटेल कचरा भाई तिरभोवनदास की
विधवा

(4) पटेल सैलेशकुमार बनमाली दाम मगनलाल (स्वर्गीय)
कानूनी वारस :

(i) पटेल सलेश कुमार बनमालीदास

(ii) भाई मंगलाबेन, बनमाली दास मगनलाल पटेल
की विधवा, सगीर

(क) सबीता बेन बनमाली दास

(ख) रंजनबेन बनमाली दास

(ग) पारु बेन मनमालीदास।

(5) पटेल बलदेव भाई रामलाल (स्वर्गीय) कानूनी
वारस :

(i) पटेल जसवंत कुमार बलदेव भाई

(ii) भाई चंपा बलदेव भाई राम लाल की विधवा
सगीर :—

(क) रमेश भाई बलदेव भाई

(ख) भरत भाई बलदेव भाई

(ग) अतुल भाई बलदेवभाई सभी सरदार
पटेल सोसायटी, भावपुरा कड़ी।

(अन्तरक)

2. श्री अंबीका प्रेसिंग फैक्टरी, कुदल अपने भागीदारों
द्वारा :पटेल मानेक लाल माधवलाल सरकार पटेल
सोसायटी भावपुरा, कड़ी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एन० ए० लेण्ड जिसका सं० नं० 590/1 कुल माप 5
एकड़ और 2 गंथा है तथा जो गांव कंदल सीम ता० कड़ी
में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कड़ी के मई 1976
के रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 650 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 5-1-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II; अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 जनवरी 1977

निर्देश सं० 502/एक्यू 23-891/14-4/76-77—यतः
मुझे, पी० एन० मिस्तल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 589 है तथा जो गांव कंदल सीम ता० कड़ी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कड़ी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) सर्वश्री पटेल शिवभाई माधवलाल
- (2) पटेल बाबुनाथ छगनलाल
- (3) सुरज बेन, पटेल कचरा भाई तिरभोजनदास की विधवा

(4) पटेल वनमाली दास मगनलाल (स्वर्गीय) कानूनी वारस :

- (i) पटेल सैलेश कुमार वनमाली दास
- (ii) बाई मंगला बेन वनमाली दास मगनलाल पटेल की विधवा, सगीर :
(क) सखीता बेन वनमाली दास
(ख) रंजन बेन वनमाली दास
(ग) पारु बेन वनमाली दास ।

(5) पटेल बलदेव भाई रामलाल (स्वर्गीय) कुल मुस्तार :

- (i) पटेल जसवंत कुमार बलदेवभाई
- (ii) बाई चंपा, बलदेव भाई राम भाई की विधवा सगीर :
(क) रमेशभाई बलदेव भाई
(ख) भरत भाई बलदेव भाई
(ग) अतुल भाई बलदेव भाई सभी : सरदार पटेल सोसायटी, भावपुरा, कड़ी

2. मैं० बाबुभाई छगनलाल पटेल आईल मिल एण्ड जिबिंग फैक्टरी, कंदल भागोदार पटेल मानेकलाल माधवलाल सरदार पटेल सोसायटी, भावपुरा, कड़ी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एन० ए० जमीन जिसका सं० नं० 589 कुल माप 3 एकड़ 14 गंथा है तथा जो कंदाल गांव ता० कड़ी में स्थित है जिसका रजिस्ट्रीकृत अधिकारी कड़ी के मई 1976 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 651 में प्रदर्शित है ।

पी० एन० मिस्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 5-1-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 जनवरी 1977

निर्देश सं० 503/एक्यू० 23-892/14-4/76-77—

अतः मुझे, पी० एन० मिस्तल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 253 है, जो कड़ी कस्बा सीम, म्यु० एरिया के बाहर, कड़ी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कड़ी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, तय पाया गया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मे० गुजरात स्टील रोलिंग मिल्स की ओर से उसके सहियारी :—

1. अब्दुल भाई अल्कु भाई नागोरी
- (2) नायक छनालाल खुशालदास तथा अन्य
- (3) सतारभाई अब्दुल भाई नागोरी
- (4) रसुलभाई अब्दुल भाई नागोरी
- (5) कमरुद्दीन अब्दुल भाई नागोरी
- (6) लालजी भाई कायरा भाई नायक
- (7) बलदेव भाई कचरा भाई नायक
- (8) मनीलाल आत्माराम नायक कड़ी (उत्तर गुजरात)। (अन्तरिती)

2. मे० कृष्ण स्टील रोलिंग मिल्स की ओर से उसके भागीदार :—

जसवंत लाल रामलाल भाई परीख तथा अन्य कड़ी (उत्तर गुजरात) । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल संपत्ति जिसका कुल माप 3 एकड़, 27 गंथा है और जो बांधकाम फैक्टरी रोड, आफिस मकान लेबरर क्वार्टर्स आदि सहित सर्वे नं० 253 कड़ी कस्बा कड़ी में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कड़ी के मई 1976 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 595 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मिस्तल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 5-1-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 28 दिसम्बर 1976

निर्देश सं० ए० सी० 29/अ० रे० 5/कल/76-77—

अतः मुझे, ए० ए० ईनामदार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है और

जिसकी सं० है तथा जो मौजा-
बुद-बुद, जिला बर्दमान में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-5-76 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री विजय कुमार खन्ना
(2) श्रीमती शशी खन्ना
(3) श्रीमती राज दुलारी खन्ना

(अन्तरक)

2. (1) पंचु चरण बस्कर
(2) नारामण चन्द्र मण्डल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

चलचित्र घर सहित भूमि का क्षेत्रफल 16.3 कट्ठाह है जो
मौजा बुद-बुद, जिला बर्दमान में स्थित है । दलील सं० 2135
ता० 20-5-76 ।

ए० ए० ईनामदार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, कलकत्ता

तारीख: 28-12-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता-13, दिनांक 4 जनवरी 1977

निर्देश सं० 365/एकूरे /76-77/कल०---यतः मुझे एल० के० बालसुब्रमनियन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० क्षम सं० 1 है तथा जो मौजा : चकगरिया, थाना यादबपुर स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बारासत, 24 परगना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-5-1976 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अनुसरण में; मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. मैसर्स सुबर्बन एग्रिकालचर डाइरी एण्ड फिशरीज (प्राइवेट) लिमिटेड 396/3, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस रोड, कलकत्ता-47।

(अन्तरक)

2. (1) कालीनारायण महाचार्य 33/5, मिनापारा रोड, कलकत्ता-32।

2. जोनिप चन्द्र बोस 74/3, बड़े राइपुर रोड, कलकत्ता-32।

(3) कान्ती रंजन चक्रवर्ती ग्राम पश्चिम राइपुर, थाना यादबपुर, कलकत्ता-32।

(4) बटो कृष्ण पाल 74/3, बड़े राइपुर रोड, कलकत्ता-32।

(5) आशुतोष मित्र 33, बाधा यतीन कलोनी, गरिया, 24 परगना।

(6) जीवन साहा 2/146 एफ०, श्री कलोनी, कलकत्ता-47।

(7) चिन्त रंजन कुन्डू बी० ओ०, आर० कम्प, कलकत्ता-40।

(8) रथीन प्रधान मातृ आशीष", वेष्ट राजापुर कलकत्ता-32।

(9) देवनारायण भट्टाचार्य 33, मिनापारा रोड, कलकत्ता-32।

(10) मन्दु चन्द, 101, भिभेकानन्द रोड कलकत्ता-6।

(अन्तरिती)

(4) युनिवर्सिटी एम्प्लियज यादबपुर को० आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 86 बीघा जमीन जो मौजा-चकगरिया, थाना-यादबपुर, 24 परगना, खतियान-10, दारा-1 जे० एल०-26 पर अवस्थित और जो दलिल सं० 631/1976 एडिशनल सब-रजिस्ट्रार-बारासत का अनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमनियन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख : 4-1-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. मैसर्स जे० के० उलयेस लिमिटेड

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

2. जे० के० विजीनेस मेमिन्स लिमिटेड

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 7 जनवरी 1977

निर्देश सं० एक्यू 23/आर-2/कल०/76-77—अतः मुझे,
आर० भी० लालभोया
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,00/- रु० से
और जमीनी सं० 28-ए है तथा जो आलिपुर रोड कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
रजिस्ट्रार आफ एमुरेन्स कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-5-76
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-
तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आशिक मौरसि मोक़रार जमिन और आशिक साजना
मुक्त जमीन माप 590 स्कूयर मीटर चिह्नित प्लॉट नं० एफ०
और नं० 28-ए० अलीपुर रोड, कलकत्ता का अंश ।

[आर० भी० लालभोया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता-16

तारीख : 7-1-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 7 जनवरी 1977

निर्देश सं० एक्यू 24/आर-2/कल/76-77—अतः मुझे आर०
भि० लालभौया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 28-बी है तथा जो आलिपुर रोड, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपवद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार
आफ एमुरेन्स, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-5-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
5—426GI/76

1. नव भारत बानिज्य लिमिटेड

(अन्तरक)

2. श्री जुगिलाल कमलापत एजेन्सि प्राइवट लिमिटेड
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आशिक मोरासी मोक़रारी जमीन और आशिक साजना
मुक्त जमीन भाप 496 स्क्वियर मीटर चिह्नित प्लॉट नं० ई और
नं० 28-बी, आलीपुर रोड, कलकत्ता का अंश।

आर० भि० लालभौया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता-16

तारीख : 7-1-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 7 जनवरी 1977

निर्देश सं० ए० सी० 25/आर०-2/76-77—अतः मुझे, आर० भी० लालभौया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन रुक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 28-बी है तथा जो आलीपुर रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एस्ट्रेन्स, कलकत्ता, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-5-76

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दान्तरिच रूप से वर्णित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुमरण में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. नव भारत बानिज्य लिमिटेड

(अन्तरक)

2. जे० के० उदोग लिमिटेड

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आंशिक मौरसी मोकराबि जमीन और आंशिक मुक्त जमीन माप-465 स्क्वैर मीटर चिह्नित प्लॉट नं० डी और नं० 28 -बी० आलीपुर रोड, कलकत्ता का अंश है।

आर० भी० लालभौया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता-16

तारीख: 5-1-77

साह्वर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 7 जनवरी 1977

निर्देश सं० ए० सी० 26/आर०-2/76-77—अतः मुझे, आर०
भि० लालभौषा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 28-बी, है तथा जो आली पुर रोड, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में जो पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार
आफ एमुरेन्स कलकत्ता, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-5-76
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा,
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. नव भारत वानिज्य लिमिटेड

(अन्तरक)

2. परनम इनवेस्टमेंट (एम० पि०) को० लिमिटेड
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-
क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आंशिक मोरसि मोकरी जमीन और आंशिक मुक्त
जमीन माप 403 स्क्वियर मीटर चिह्नित प्लॉट नं० सी और नं०
28 बी० आलिपुर रोड, कलकत्ता का अंश है।

आर० भि० लालभौषा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, कलकत्ता-16

तारीख : 7-1-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. नव भारत वानिज्य लिमिटेड

(अन्तरक)

2. अग्रिम इन्वेस्टमन्ट

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 7 जनवरी 1977

निर्देश सं० ए० सी० 17/आर-2/76-77—अतः मुझे आर०

भी० लालमोया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है,

और जिसकी सं० 18ए० और 18 बी० है तथा जो आलिपुर
रोड कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में जो
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय,
रजिस्ट्रार आफ एमुरेन्स, कलकत्ता, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-5-76
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आंशिक मोरसि मौकरारि जमीन और आंशिक खाजना
मुक्त जमीन माप 402 स्क्वैर मीटर चिह्नित प्लॉट न० बि और
न० 18-ए और 18-बि, आलिपुर रोड कलकत्ता का अंश है।

आर० भी० लालमोया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, कलकत्ता-16

तारीख : 7-1-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

नव भारत वाणिज्य लिमिटेड

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

जे० के० एजेन्ट्स प्राइवेट लिमिटेड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(अन्तरिती)

अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता-16 दिनांक 7 जनवरी 1977

निर्देश सं० ए० सी० 18/आर०-II /कल/76-77--अतः
मुझे आर० भी० लालमोया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी, को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है,

और जिसकी सं० 18-ए है तथा जो आलिपुर रोड, कलकत्ता में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में जो पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार
आफ एमुरेन्स कलकत्ता, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-5-76
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आंशिक मौरसी, मोकशरि जमीन और आंशिक खाजना
मुक्त जमीन 500 स्क्वैर मीटर चिह्नित प्लॉट नं० "ए"
और नं० 18 ए आलिपुर रोड, कलकत्ता का अंश है।

आर० भी० लालमोया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, कलकत्ता-16

तारीख : 7-1-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. जे० के० एलयस लिमिटेड

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, 54 रफीअहमद कदवई रोड कलकत्ता-16

कलकत्ता-16 दिनांक 7 जनवरी 1977

निर्देश सं० ए०सी०19/आर-2/कल/76-77—अतः मुझे
आर० भी० लालमोया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 18-ए है, तथा जो आलिपुर रोड,
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में जो पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
रजिस्ट्रार आफ एमुरेन्स में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 26-5-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बिना ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. हयलेस पेन्टस लिमिटेड

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

आंशिक मौरासि मोकरारी जमीन और आंशिक खाजना
मुक्त जमीन 500 स्क्विय मीटर औ० चिह्नित प्लॉट नं० जी
और नं० 18 ए, आलिपुर रोड, कलकत्ता का अंश है ।

आर० भी० लालमोया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, कलकत्ता-16

तारीख : 7-1-77

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 6 जनवरी 1977

निर्देश सं० एल० सी० 108/76-77—यतः मुझे, एस०
एन० चन्द्रचूटन नायर

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो वेल्लानिकरा
विल्लेज में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ओल्लकरा
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 21-5 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के क्षीय ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) संतुपति भास्करन

(2) नन्गिनी माकोब

(अन्तरक)

2. मात्यु कन्टनकरी नेटूम कुन्म अण देहाम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

6 acres of rubber estate in Sy. No. 55/1, 57/1 in
Vellanikara Village.

एस० एन० चन्द्रचूटन नायर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 6-1-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री केरला वर्मा कुन्जिकिडाव तंपुरान (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

(2) 1. श्री संतुपती भास्करन, (2) नान्गनी याकोब
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज एरणाकुलम, कोचिन

कोचिन-16 दिनांक 6 जनवरी 1977

निदेश सं० एन० सी० 109/76-77:—यतः मुझे, एस० एन० चन्द्रयूटन नायर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख, के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो वल्लानिकरा विल्लेप में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, ओल्लूकरा में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-5-76 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

53.67 acres of land with buildings in Sy. No. 46/3 etc in Vellankara Village.

एस० एन० चन्द्रयूटन नायर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 6-1-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री के० राजसेकरन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

(2) श्री के० रविन्द्रन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जनवरी 1977

निदेश सं० 2950/76-77—यतः, मुक्ष एस० राजरटनम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सैट सं० 13 और 14, मुनु सामि गोण्डर कालनि
सं० 3 कोमरपालयम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जे एस० आर II कोयम्बतूर ('डाकुमेण्ट' 1150/76) में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
14-7-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उप-
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
6—426 G1/76

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर, कोमरपालयम, मुनु सामि गोण्डर कालनि सं० 3,
सैट सं० 13 और 14 में (डोर सं० 16-ए०) (एस० एफ० 185
और 186/2) 17 सेण्ट और 163 स्क्वियर फीट भूमि (मकान
के साथ) में आवा भाग।

एस० राजरटनम,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास।

तारीख : 4-1-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री एस० गोपाल और श्रीमती जी० कमलम
(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अर्धन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जनवरी 1977

निदेश सं० 4001/76-77—यतः, मुझे एस० राजरटनम प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अर्धन सूक्ष्म अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यादर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 22/325 से 332, राजा स्ट्रीट, कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० III, कोयम्बतूर ('डॉकुमेण्ट 1680') में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-5-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दायतदिव रूप से वर्णित नहीं किया गया है:—

(ग) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अर्धन वर देने के अन्तरक के दाखिले में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या एन० ए० अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्गत में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अर्धन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(2) श्रीमती लक्ष्मि अम्माल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यादर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीनस्थताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर, राजा स्ट्रीट, डोर सं० 22/325 से 332 तक 3956 स्क्वयर फीट की भूमि (मकान के साथ) (नया टी० एस० सं० 6/963)।

एस० राजरटनम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 4-1-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जनवरी 1977

सं० 5202/76-77—यतः, मुझे एस० राजरटनम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और

सं० 45 नण्डनम एक्सटेंशन मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापूर, मद्रास (डाकुमेन्ट 647/76), में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-5-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती एस० पी० बी० ई० वलियम्मै

(अन्तरक)

(2) श्री एम० आर० गोपालकृष्णा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-35, नण्डनम एक्सटेंशन, डोर सं० 45 (आर० एस० 3884/1 भाग) में 1 ग्राउण्ड और 1123 स्क्वयर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

एस० राजरटनम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 4-1-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जनवरी 1977

निदेश सं० 5207/76-77—यतः, मुझे एस० राजरटनम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 43/2/एल०, मौण्ट रोड, मद्रास 32 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० II, मद्रास (डाकुमेण्ट 1027) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-5-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अभय आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री फरूक जे० इरानी (अन्तरक)

(2) 1. एस० जी० गुप्ता
2. आनन्द गुप्ता;
3. श्रीमती ललिता गुप्ता,
4. श्रीमती सरोज गुप्ता,
5. श्री जे० पी० गुप्ता
6. श्री वीजय गुप्ता
और
7. श्री मोहन कुमार गुप्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 32, मौण्ट रोड, सं० 43/2/एल० (टी०) एस० सं० 3 और 4, ब्लाक सं० 7, प्लॉट सं० 4 और 5) में खाली भूमि।

एस० राजरटनम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 4-1-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री ए० सुब्रमणि अचारी (अन्तरक)

(2) श्री बी० एस० राममुर्ती (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 जनवरी 1977

निर्देश सं० 1/एम०ए०आई०/76-77-यतः, मुझे, जी० रामानाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 140, 141, 142, 149, 150, 151 है, जो ऊंगुरानल्ली गाँव दर्मपुरि जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दर्मपुरि (पत्र सं० 740/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-5-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से बधित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दर्मपुरि जिला, ऊंगुरानल्ली गाँव एस० सं० 140 (0.78 एकड़), 149 (0.18 एकड़), 141 (2.18 एकड़), 142 (1.22 एकड़), 150 (0.70 एकड़), और 151 (0.90 एकड़) में 5.96 एकड़ खेती की भूमि और आदि।

जी० रामानाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख 5-1-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री पी० दामोदरमूर्ति (अन्तरक)

(2) श्री एम० ए० तगप्पन (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 जनवरी, 1977

सं० 5/एम०ए०आई०/76-77—यतः, मुझे जी०, रामानाथन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट 3, पोन्नप्प रोड, मद्रास 10 है, जो

में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास (पत्र
सं० 572/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 1976 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वर्ग्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मद्रास, पोन्नप्प पिल्लै रोड प्लॉट सं० 3 (आर० एस० सं०
72/8) में 2 आउण्ड और 480 स्क्वयर फीट की खाली भूमि ।

(जी० रामानाथन)

सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास ।

तारीख : 5-1-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

- (1) श्रीमती शाकीरा भानू (अन्तरक)
(2) श्रीमती ए० हाजीरा बीनी (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, रहारि व शायर शायर (निरीक्षण) ।

अर्जन रेंज, -I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 जनवरी, 1977

सं० 48/एम०ए०वाई०/76-77—यतः, मुझे जी० रामानाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि शायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 25 है, जो ओल्ड तिरुलणी रोड रानीपेट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वालाजानगर (पत्र सं० 895/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में बन्नी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त शायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रानीपेट, ओल्ड तिरुलणी रोड डोर सं० 25 (एस० सं० 28/3) में 26 सेन्ट की भूमि (मकान के साथ)।

(जी० रामानाथन)

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-I रेंज, मद्रास।

तारीख : 5-1-1977

मोहर :

संघ लोक सेवा आयोग
नोटिस
भारत वन सेवा परीक्षा, 1977

नई दिल्ली-110011, दिनांक 22 जनवरी 1977

सं० एफ० 13/4/76-ई०-1 (बी०)—भारत के राजपत्र दिनांक 22 जनवरी, 1977 में मंत्रिमंडल सचिवालय (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार भारतीय वन सेवा में भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, कटक, बिल्ली, बिसपुर, (गोहाटी), हैदराबाद, जयपुर, मद्रास, नागपुर, पटियाला, पटना, शिलांग, शिमला, श्रीनगर तथा त्रिबेन्नी में 12 जुलाई, 1977 से एक प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी।

आयोग यदि चाहे तो, परीक्षा के उपर्युक्त केंद्रों तथा उसके प्रारंभ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश-प्राप्त उम्मीदवारों को परीक्षा की समय सारणी तथा स्थान अथवा स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा। (देखिए उपाबन्ध पैरा 11)।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की अनुमानित संख्या 90 (अनुसूचित जातियों के लिए 13 तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए 7 रिक्तियां सम्मिलित हैं)। इस संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।

इन रिक्तियों में से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षण भारत सरकार द्वारा निश्चित संख्या के अनुसार किया जाएगा।

3. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से सम्बद्ध पूर्ण विवरण दो रुपए भेज कर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को मनीआर्डर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआर्डर/पोस्टल आर्डर के स्थान पर चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन-प्रपत्र आयोग के काउन्टर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। दो रुपए की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

नोट 1—डाक द्वारा आवेदन पत्र और परीक्षा का विवरण मंगाने के लिए किया जाने वाला अनुरोध आयोग के कार्यालय में 7 मार्च 1977 तक पहुंच जाना चाहिए। पर व्यक्तिगत रूप से आयोग के कार्यालय से ये आवेदन-पत्र 14 मार्च, 1977 तक मिल सकते हैं।

नोट 2—उम्मीदवारों को ध्यान देना है कि वे अपने आवेदन-पत्र भारतीय वन-सेवा परीक्षा, 1977 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। भारतीय वन सेवा परीक्षा, 1977 के लिए निर्धारित आवेदन-प्रपत्रों से इतर प्रपत्रों पर भरे हुए आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ, सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, के पास 14 मार्च, 1977 (14 मार्च 1977 से पहले की तारीख से विदेशों में या अण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूह में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 28 मार्च, 1977) तक अवश्य पहुंच जाना चाहिए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को रु० 48.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के मामले में रु० 12.00) का शुल्क भेजना होगा जो कि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली की पार्लियामेंट स्ट्रीट पर स्थित स्टेट बैंक आफ इंडिया पर देय स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में हो।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित शुल्क भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या विदेशस्थित प्रतिनिधि के कार्यालय में जमा करना होगा ताकि वह "051 लोक सेवा आयोग—परीक्षा शुल्क" के लेखाशीर्ष में जमा हो जाए और आवेदनपत्र के साथ उसकी रसीद लगा कर भेजी जाए।

जिन आवेदन-पत्रों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एकदम अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होता जो नीचे के पैरा 6 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

6. आयोग यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है या बर्मा से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 की या उसके बाद भारत आया है या वह एक मूलतः भारतीय व्यक्ति है जो अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आने वाला है।

7. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो तो उसे रु० 30.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के मामले में रु० 8.00) की राशि वापस कर दी जाएगी।

उपर्युक्त उपबन्धित व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी भी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

8. आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने के बाद उम्मीदवारी की वापसी के लिए उम्मीदवार के किसी प्रकार के अनुरोध पर किसी भी परिस्थिति में विचार नहीं किया जाएगा।

राम स्वरूप गोयल,
उप-सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

उपाबन्ध

उम्मीदवारों को अनुदेश

1. उम्मीदवारों को आवेदन-पत्र भरने से पहले अपनी पात्रता समझ लेने के लिए नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़ लेना चाहिए। निर्धारित शर्तों में कोई छूट नहीं दी जा सकती है।

2. उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-प्रपत्र भरने से पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़ कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र भी हैं या नहीं, निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती है ?।

3. उम्मीदवार को आवेदन-प्रपत्र तथा पावती कार्ड अपने हाथ से ही भरने चाहिए। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में या लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवार से, आयोग यदि चाहे तो, इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 14 मार्च, 1977 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में या लक्षद्वीप में रह रहा था।

सभी उम्मीदवारों को, चाहे वे पहले से सरकारी नौकरी में हों या सरकारी औद्योगिक उपक्रमों में या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में हों या गैर सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों, अपने आवेदन पत्र आयोग को सीधे भेजने चाहिए। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर 7-426GI/76

से पहुंचा हो तो उस आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को आखिरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से सरकारी नौकरी में, स्थायी या अस्थायी हैसियत से काम कर रहे हों या किसी काम के लिए विनिष्ट रूप से नियुक्त कर्मचारी हों जिसमें आकस्मिक या दैनिक दर पर नियुक्त व्यक्ति शामिल नहीं है, उनको इस परीक्षा में अतिम रूप में प्रवेश पाने के पहले अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष की अनुमति प्राप्त करनी चाहिए। उनको चाहिए कि वे अपने आवेदन-पत्र को, उसके अंत में संलग्न प्रमाण-पत्र की दो प्रतियां निकाल कर, आयोग में सीधे भेज दें और प्रमाण-पत्र की उन प्रतियों को तत्काल अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को इस अनुरोध के साथ प्रस्तुत करें कि उक्त प्रमाण-पत्र की एक प्रति विधिवत् भर कर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली को जल्दी से जल्दी और किसी भी हालत में प्रमाण-पत्र को फार्म में निर्दिष्ट तारीख से पहले भेज दी जाए।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्न-लिखित प्रमाण-पत्र अवश्य भेजने चाहिए।

- (i) निर्धारित शुल्क के लिए **रेखांकित किए हुए** भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्राफ्ट (देखिए नोटिस के पैरा 5)
- (ii) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की दो एक जैमी प्रतियां।
- (iii) जहां लागू हो वहां अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति के होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि [देखिए नीचे पैरा 4 (iii)]।
- (iv) जहां लागू हो वहां आयु/शुल्क में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि [देखिए नीचे पैरा 4 (iv) और 5]।

नोट :—उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्रों के साथ उपर्युक्त मद (iii) और (iv) में उल्लिखित प्रमाण पत्रों की केवल प्रतियां ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा अभिप्रमाणित हों अथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमाणित हों। जो उम्मीदवार परीक्षा-परिणाम के आधार पर व्यक्तिगत परीक्षण के लिए साक्षात्कार हेतु अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें परीक्षा के परिणामों की घोषणा के तुरन्त बाद अपनी आयु, शैक्षिक योग्यता और जहां लागू हो वहां अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों के होने के दावे तथा आयु/शुल्क में छूट के समर्थन में मूल प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे। परिणाम संभवतः अक्टूबर,

1977 में घोषित किए जाएंगे। उम्मीदवारों को अपने प्रमाण-पत्र तैयार रखने चाहिए और परीक्षा परिणाम की घोषणा के बाद शीघ्र ही आयोग को प्रस्तुत कर देने चाहिए। जो उम्मीदवार उस समय अपेक्षित प्रमाण-पत्र मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करेंगे उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उनका आगे विचार किए जाने का दावा स्वीकार नहीं होगा।

4. उपर्युक्त पैरा 3 की मूद (i) से (iv) तक उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिए गए हैं:—

- (i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर:—प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः रेखांकित होना चाहिए और उस पर “सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय” लिखना चाहिए।

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे-फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को यह अवश्य नोट कर लेना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर न तो रेखांकित किए गए हों और न ही सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के जनरल डाकघर पर देय हों, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

(ख) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट

बैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी शाखा से प्राप्त किया जाए और वह सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक आफ इंडिया, पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली में देय हो तथा विधिवत् रेखांकित किया गया हो।

किसी अन्य बैंक में देय बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

(ii) फोटोग्राफ:—उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां अवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-प्रपत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और दूसरी प्रति आवेदन-पत्र के साथ अच्छी तरह नत्थी कर देनी चाहिए, फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्याही से हस्ताक्षर करने चाहिए।

(iii) यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने

दावे के समर्थन में उस जिले के, जिसमें उसके माता पिता (या जीवित माता या पिता) आमतौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उप मंडल अधिकारी या निम्नलिखित किसी अन्य ऐसे अधिकारी, से जिसे संबद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए मक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए गए फार्म में प्रमाण-पत्र लेकर उनकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए, जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से आम तौर पर रहता हो।

भारत सरकार के पक्षों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाणपत्र का फार्म:—

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी*
 _____ मुपुत्र/मुपुत्री* श्री _____
 _____ जो गांव/कम्बा* जिला/मंडल* _____
 _____ राज्य/संघ राज्य क्षेत्र* _____
 _____ के/की* निवासी है: _____

जाति/जन जाति* के/की* है जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति* के रूप में मान्यता दी गई है।

संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश, 1950*
 संविधान (अनुसूचित जन जातियां) आदेश, 1950*
 संविधान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951*
 संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951*

(अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां सूची (आशोधन), आदेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम 1970 और उत्तरी पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम 1971 द्वारा यथा संशोधित)।

संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1956*

संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1959*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1962*

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967*
संविधान (गोवा, दमन तथा दियु) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968*
संविधान (गोवा, दमन तथा दियु) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1968*
संविधान (नागालैण्ड अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1970*

2. श्री/श्रीमती/कुमारी*—और/या*
उनका परिवार ग्राम तौर से गांव/कस्बा*—
में जिला/मण्डल*—में
राज्य/संघ राज्य क्षेत्र*—में
रहते/रहती* हैं।

हस्ताक्षर —————

**पदनाम —————

(कार्यालय की मोहर)

स्थान —————

तारीख —————

राज्य

संघ राज्य क्षेत्र*

*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट दें।

नोट:—यहां "ग्रामतौर से रहते/रहती हैं" का अर्थ वही होगा जो "रिप्रेजेंटेशन आफ़ दि पीपुल ऐक्ट, 1950" की धारा 20 में है।

**अनुसूचित जाति/जन जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए, सक्षम अधिकारी।

(i) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/कलेक्टर/डिप्टी कमिशनर/एंडीशनल डिप्टी कमिशनर/डिप्टी कलेक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/मिटी मैजिस्ट्रेट/सब डिवीजनल मैजिस्ट्रेट/तालुक मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेंट कमिशनर।

†(प्रथम श्रेणी की स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट से कम आहदे का नहीं)।

(ii) चीफ़ प्रेमिडेंसी मैजिस्ट्रेट/एंडीशनल चीफ़ प्रेमिडेंसी मैजिस्ट्रेट/प्रेमिडेंसी मैजिस्ट्रेट।

(iii) रेवेन्यू अफसर, जिनका आहदा नहसीलदार से कम न हो।

(iv) उस इलाके का सब-डिवीजनल अफसर जहां उम्मीदवार और/या उसका परिवार ग्राम तौर से रहता हो।

(v) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेप्युटी सचिव अफसर, लक्ष्मीप।

(iv) (क) नियम 4 (ख) (ii) अथवा 4 (ख) (iii) के अन्तर्गत आयु में छूट और/या नोटिस के पैरा 6 के अनुसार शुल्क से छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में प्रवास कर भारत आया है।

(1) दंडकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केंद्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित सहायता शिविरों के कैम्प कमांडेंट।

(2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट जहां वह इस समय निवास कर रहा है।

(3) संबंध जिलों में शरणार्थी पुनर्वास कार्य के प्रभारी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट।

(4) अपने ही कार्यभार के अधीन, संबंध सब-डिवीजन का सब डिवीजनल अफसर।

(5) उप शरणार्थी पुनर्वास आयुक्त, पश्चिमी बंगाल/निदेशक (पुनर्वास), कलकत्ता।

(ख) नियम 6 (ग) (iv) अथवा 6 (ग) (v) के अन्तर्गत आयु में छूट और/या नोटिस के पैरा 7 के अनुसार शुल्क से छूट का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाले मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिए गए इस आशय के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आने वाला है।

(ग) नियम 4 (ख) (vi) अथवा 4 (ख) (vii) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट और/या नोटिस के पैरा 6 के अनुसार शुल्क में छूट का दावा करने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास, रंगून द्वारा दिए गए पहिचान प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा उसे जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है।

(घ) नियम 4 (ख) (viii) अथवा (ख) (ix) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक, पुनर्वासन, रक्षा मंत्रालय से नीचे दिए हुए निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान बिलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट— के रैंक नं०— श्री— रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में/ अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर—

पदनाम—

तारीख—

*जो शब्द लागू न हो उसे कृपया काट दें।

(ङ) नियम 4 (ख) (x) या 4 (ख) (xi) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले उम्मीदवार को, जो सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक, सीमा सुरक्षा दल, गृह मंत्रालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान फौजी कार्रवाई में विकलांग हुआ और उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाणपत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट— के रैंक नं०— श्री— सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान फौजी कार्रवाई में विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर—

पदनाम—

तारीख—

5. जो उम्मीदवार ऊपर पैरा 4 (iv) (क), (ख) और (ग) में से किसी भी वर्ग के अन्तर्गत नोटिस के पैरा 6 के अनुसार शुल्क से छूट का दावा करता है, उसको किसी जिला अधिकारी या सरकार के राजपत्रित अधिकारी या संसद सदस्य या राज्य विधान मंडल के सदस्य से, यह दिखाने के लिए कि वह निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है, इस आशय का एक प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी प्रस्तुत करनी होगी।

ध्यान दें:— उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ उपर्युक्त पैराग्राफ 3 (ii), 3(iii) तथा 3 (iv) के अन्तर्गत उल्लिखित प्रमाण-पत्रों में से कोई एक संलग्न न होगा और उसे न भेजने का कोई उचित स्पष्टीकरण नहीं दिया गया हो तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है तथा इस अस्वीकृति के विरुद्ध किसी अपील पर विचार नहीं किया जाएगा। जो प्रमाण-पत्र आवेदन-पत्र के साथ न भेजे गए हों उन्हें आवेदन-पत्र भेजने के बाद शीघ्र ही भेज देना चाहिए और वे हर हालत में आयोग के कार्यालय में आवेदन-पत्र स्वीकार करने की अंतिम तारीख से एक महीने के भीतर अवश्य पहुंच जाना चाहिए, अन्यथा आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

6. परीक्षा-परिणाम के आधार पर अर्हता प्राप्त कर लेने वाले उम्मीदवारों को आयु तथा शैक्षिक योग्यता के जो मूल प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने हैं वे नीचे दिए गए हैं।

(i) आयु का प्रमाण-पत्र:—आयोग जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मेट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मेट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित विश्वविद्यालय के मेट्रिक पास छात्रों के रजिस्टर के उद्धरण में दर्ज की गई हो। जिस उम्मीदवार ने उच्चतर माध्यमिक परीक्षा अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र अथवा समकक्ष प्रमाण-पत्र की एक प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

अनुदेशों के इस भाग में आए मेट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित हैं।

कभी कभी मेट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मेट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्था के हैडमास्टर/ प्रिंसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से उसने मेट्रिकुलेशन/ उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्र

में उस संस्था के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में लिखी जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र-उच्चतर माध्यमिक परीक्षा, परीक्षा प्रमाण-पत्र में दी गई जन्म की तारीख से भिन्न हो और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

नोट 1:—जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करके माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो, उसे उस प्रमाण-पत्र का केवल आयु से संबद्ध प्रविष्टि वाला पृष्ठ भेजना चाहिए।

नोट 2:—उम्मीदवार को ध्यान रखना चाहिए कि किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए उसके द्वारा जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने और आयोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी अगली परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।

(ii) **शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र:—** उम्मीदवार को एक प्रमाण-पत्र भेजना चाहिए ताकि इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 7 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी (अर्थात् विश्वविद्यालय या किसी अन्य परीक्षानिकाय) का होना चाहिए जिसने उसे वह योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसा प्रमाण-पत्र न भेजा जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण अवश्य बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता से संबद्ध अपने दावे के प्रमाण में कोई अन्य साक्ष्य प्रस्तुत करना चाहिए। आयोग इस साक्ष्य की गुणवत्ता पर विचार करेगा, किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं है।

यदि किसी उम्मीदवार द्वारा अपनी शैक्षिक योग्यताओं के समर्थन में डिग्री परीक्षा में उत्तीर्ण होने से संबद्ध विश्व-विद्यालय के प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि में परीक्षा के विषय नहीं दिए गए हों, तो उसे विश्वविद्यालय के प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि के अतिरिक्त, प्रिंसिपल विभागाध्यक्ष से इस आशय का एक प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक प्रतिलिपि अवश्य भेजनी चाहिए कि उसने नियम 5 में निर्दिष्ट विषयों में अर्हक परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है।

नोट:— उन उम्मीदवारों को जो ऐसी परीक्षा में बैठ चके हों जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वे आयोग की उक्त परीक्षा के लिए शैक्षिक दृष्टि से पात्र हो जाते हैं किन्तु उन्हें इस परीक्षा का परिणाम सूचित न किया गया हो तथा ऐसे उम्मीदवारों को भी जो ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठना चाहते हों, आयोग की इस परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

7. यदि किसी व्यक्ति के लिए पात्रता प्रमाण पत्र आवश्यक हो तो उसे अभीष्ट पात्रता प्रमाण-पत्र प्राप्त करने

के लिए भारत सरकार, मंत्रिमंडल सचिवालय (कामिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) को आवेदन करना चाहिए।

8. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई झूठा ब्योरा न दें और न ही किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाएं।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रलेख अथवा उसकी प्रतिलिपि की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें, न उसमें परिवर्तन करें, और न कोई फेरबदल करें और न ही फेरबदल किए गए। झूठे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या अधिक प्रमाण-पत्रों या उनकी प्रतियों में कोई अशुद्धि अथवा विसंगति हो तो विसंगति के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

9. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-प्रपत्र ही अमुक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-प्रपत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया हो।

10. यदि परीक्षा से संबद्ध आवेदन-पत्रों के पहुंच जाने की आखिरी तारीख से एक महीने के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र की पावती (एकनालिजमेंट) न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिए आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए।

11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के आरम्भ होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने से दावे से वंचित हो जाएगा।

12. पिछली पांच परीक्षाओं की नियमावली तथा प्रश्न-पत्रों से युक्त पुस्तिकाएं प्रकाशन, नियंत्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली-110006 के यहां बिक्री के लिए मिलती हैं और उन्हें उनके यहां से सीधे भेल आर्डर या नकद भुगतान द्वारा प्राप्त किया जा सकता है। केवल नकद भुगतान द्वारा इन्हें (i) किताब महल, रिबोली सिनेमा के सामने, एम्पोरिया बिल्डिंग, 'सी' ब्लाक, बाबा खड़क सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001 (ii) बिक्री केन्द्र, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 और मंथ लोक सेवा आयोग कार्यालय, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 तथा (iii) गवर्नमेंट आफ इंडिया बुक डिपो, एस० के० एस० राय रोड, कलकत्ता-1

से भी प्राप्त किया जा सकता है। ये पुस्तिकाएँ विभिन्न मुफ्तसिल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती हैं।

13. **आवेदन-पत्र से संबद्ध पत्र-व्यवहार:**—आवेदन-पत्र से संबद्ध सभी पत्र आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को भेजे जाएँ तथा उनमें नीचे लिखा ब्यौरा अनिवार्य रूप से दिया जाए:—

- (1) परीक्षा का नाम।
- (2) परीक्षा का महीना और वर्ष।
- (3) रोल नम्बर अथवा उम्मीदवार की जन्म तिथि, यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया हो।
- (4) उम्मीदवार का नाम पूरा तथा बड़े अक्षरों में।
- (5) आवेदन-पत्र में दिया गया पत्र-व्यवहार का पता।

ध्यान दें:—जिन पत्रों आदि में यह ब्यौरा नहीं होगा संभव है कि उन पर ध्यान नहीं दिया जाए।

14. **पत्रों में परिवर्तन:**—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पत्रों पर भेजे गए पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पत्रों पर मिल जायें करें। पत्रों में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 13 में उल्लिखित ब्यौरे के साथ यथाशीघ्र दी जानी चाहिए। यद्यपि आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा प्रयत्न करता है किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं करता।

प्रशिक्षण पोत "राजेन्द्र" और समुद्री इंजीनियरी प्रशिक्षण निदेशालय,

कलकत्ता/बम्बई में शैक्षिक वर्ष 1977 के लिये प्रवेश

ऊपर उल्लिखित संस्थानों में नौचाल (एक वर्ष) और समुद्री इंजीनियरी पाठ्यक्रम (4 वर्ष) में, प्रवेश के लिये निम्नलिखित केन्द्रों में 27 और 28 मई, 1977 को हरेक केन्द्र में उम्मीदवारों को पर्याप्त संख्या होने पर एक संयुक्त लिखित परीक्षा ली जाएगी।

परीक्षा-केन्द्र

1. अहमदाबाद
2. बैंगलूर
3. भोपाल
4. कलकत्ता
5. बम्बई
6. चण्डीगढ़
7. कटक
8. दिल्ली

9. एनकुलम्
10. गोहाटी
11. हैदराबाद
12. जयपुर
13. लखनऊ
14. मद्रास
15. नागपुर
16. पटना
17. श्रीनगर
18. पोर्ट-ब्लेयर
19. त्रिवेन्द्रम्
20. विशाखापट्टनम्

परीक्षा के विषय होंगे: (1) अंग्रेजी (एक प्रश्नपत्र)—3 घंटे 100 अंक, (2) गणित (एक प्रश्नपत्र)—3 घंटे 100 अंक, (3) भौतिकी (एक प्रश्नपत्र)—3 घंटे 100 अंक, (4) रसायन विज्ञान (एक प्रश्नपत्र)—1½ घंटे 50 अंक और (5) सामान्य ज्ञान (एक प्रश्नपत्र)—1½ घंटे 50 अंक। प्रवेश परीक्षा के परीक्षाफल के आधार पर उम्मीदवारों को चुनाव बोर्ड कलकत्ता/बम्बई, के सामने डाकटरी परीक्षण और साक्षात्कार के लिये बुलाया जायगा। उम्मीदवारों को परीक्षा और साक्षात्कार केन्द्रों पर जाने के लिये यत्ना व्यय स्वयं वहन करना होगा और उन्हें वहाँ पर भोजन और आवास की व्यवस्था भी स्वयं करनी होगी।

प्रशिक्षण पोत 'राजेन्द्र' और समुद्री इंजीनियरी प्रशिक्षण में प्रवेश के लिये प्रच्छन्न प्रतिशत जगह अनुसूचित जाति और पांच प्रतिशत जगह जन-जाति के उम्मीदवारों के लिये, बर्तत योग्य उम्मीदवार उपलब्ध हों, आरक्षित हैं।

प्रवेश के लिये अर्हता

(अ) उम्मीदवार को निम्नलिखित परीक्षाओं में से कोई एक परीक्षा उत्तीर्ण करना आवश्यक है:—

(क) मान्यताप्राप्त शिक्षा बोर्ड/विश्वविद्यालय द्वारा संचालित इंटरमीडियेट साइंस परीक्षा, पृथक विषयों के रूप में गणित, भौतिकी और रसायन विज्ञान विषय में लेकर उत्तीर्ण की हों।

(ख) कोई अन्य समान पाठ्यक्रम अर्थात् 10+2, भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा अनुमोदित पृथक विषयों के रूप में गणित, भौतिकी और रसायन विज्ञान विषय लेकर उत्तीर्ण किया हो।

(ग) जहाँ तीन वर्ष का डिग्री पाठ्यक्रम हो वहाँ डिग्री पाठ्यक्रम में पृथक विषयों के रूप में गणित, भौतिकी और रसायन-विज्ञान विषय लेकर प्रथम वर्ष 10+1 उत्तीर्ण करने पर लिया जा सकता है।

(घ) आई० आई० टी० विश्वविद्यालयों द्वारा संचालित (10+1) हायर मेंटरिंग परीक्षा के बाद पात्र वर्ष के समाकालित शिष्य विज्ञानीय/इंजीनियरी डिग्री पाठ्यक्रम की पृथक वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

नोट :—10+2 से अभिप्राय है कि उम्मीदवार ने एम० एम० सी०/एम० एम० एल० सी०/मैट्रिक या उसके समकक्ष परीक्षा का प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के बाद दो वर्ष तक पढ़ाई अवश्य की हो और पाठ्यक्रम समाप्त किया हो अन्तिम परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

(ब) वे उम्मीदवार जिनकी न्यूनतम शैक्षणिक अर्हता जैसे उक्त पैरा (अ) में उल्लिखित है जैसी हो और जो साइंस की डिग्री के लिये परीक्षा में बैठ चुके हों, या बैठने वाले हों, प्रवेश के लिये आवेदन कर सकते हैं।

आयु-सीमा

वे उम्मीदवार जिनकी न्यूनतम शैक्षणिक अर्हता जैसे उक्त पैरा (अ) और (ब) में उल्लिखित है जैसी हो, प्रवेश वर्ष के पहली सितम्बर को उनकी आयु-सीमा 20 वर्ष के अन्दर अवश्य होनी चाहिए अर्थात् उनका जन्म पहली सितम्बर, 1957 को या उसके बाद हुआ हो। अनुसूचित जाति और जन जाति के उम्मीदवारों की आयु-सीमा एक वर्ष अधिक होगी।

आवेदन-फार्म

प्रशिक्षण पोत 'राजेन्द्र'/समुद्री इंजीनियरी प्रशिक्षण निदेशालय के पाठ्यक्रम के लिये एक ही आवेदन-फार्म है। आवेदन-पत्र एक रुपये का रेखित पोस्टल आर्डर, नौवहन महानिदेशक के नाम पर और जी० पी० ओ० बम्बई में देय, भेज कर प्राप्त किया जा सकता है।

कार्यकारी अधिकारी (प्रशिक्षण) को एक रुपये के मूल्य का रेखित भारतीय पोस्टल आर्डर आवेदन-पत्र के साथ भेजकर और 23 सें० मी० × 10 सें० मी० के आकार का स्वयं का

पता लिखा 40 पैसे का डाक टिकट लगा लिफाफा भेज कर आवेदन फार्म प्राप्त किया जा सकता है। स्पष्ट अक्षरों में आवेदन पत्र और स्वयं का पता लिखे लिफाफे में डाक का पूरा पता दोनों में देना चाहिए। आवेदन फार्म मंगाने वाले लिफाफे पर बायें हाथ की ओर "राजेन्द्र/म० इ० प्र० नि० में प्रवेश के लिये आवेदन-पत्र के लिये अनुरोध" अंकित होना चाहिए।

विवरणिका

दोनों पाठ्यक्रमों के पूर्ण विवरणों, फीसों का ब्योरा और छात्रवृत्तियों के विवरण आदि की जानकारी देने वाली विवरणिका, रु० 2/- का रेखित भारतीय पोस्टल आर्डर नौवहन महानिदेशक के नाम और जी० पी० ओ०, बम्बई-400001 में देय भेजकर कार्यकारी अधिकारी (प्रशिक्षण) से प्राप्त है। विवरणिका के लिये स्पष्ट अक्षरों में डाक का पूरा पता लिख कर पृथक आवेदन करना चाहिए। विवरणिका के लिये आवेदन-पत्र वाले लिफाफे पर बायीं ओर "विवरणिका के लिए अनुरोध" शब्द अंकित होने चाहिए।

नोट : विवरणिका हाल ही में संशोधित हुई है और छपाई के अधीन है। सरकारी मुद्रणालय से प्राप्त होने के पश्चात् प्रतियां उम्मीदवारों को तुरन्त भेज दी जाएंगी। उम्मीदवारों को विवरणिका के अप्राप्यता के कारण अपने आवेदन-पत्र अविलम्ब प्रस्तुत करने चाहिए और यह सुनिश्चित करें कि सब भांति पूर्ण रूप से भरा हुआ आवेदन-पत्र अन्तिम तारीख से पूर्व इस कार्यालय में अवश्य पहुंच जाना चाहिए।

अन्तिम तारीख

सभी तरह संपूर्ण अविवाहित पुरुष उम्मीदवारों के आवेदन फार्म कार्यकारी अधिकारी (प्रशिक्षण) को 31 मार्च, 1977 तक पहुंच जाना चाहिये। इस निश्चित तारीख के बाद आये हुए आवेदन-पत्रों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। रिक्त आवेदन फार्म 24 मार्च, 1977 को डाक से भेजना बंद किया जाएगा।

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 4th January 1977

No. F.6/76-SCA-(1).—Shri Vepa P. Sarathy, Assistant Editor, Supreme Court Reports retired from the service of this Registry with effect from the afternoon of 24 December 1976.

R. SUBBA RAO
DEPUTY REGISTRAR (ADMN.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 31st December 1976

No. P/1854-Admn.I.—Shri S. N. Bajpe, an officer of the Indian Postal Service and working as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission, has been appointed to officiate as Joint Secretary in the same office with effect from the afternoon of 31.12.1976, until further orders.

2. Shri Bajpe has relinquished charge of the post of Deputy Secretary, Union Public Service Commission, with effect from 31.12.1976(AN) and has assumed charge of the post of Joint Secretary, Union Public Service Commission, with effect from the same date.

P. N. MUKHERJEE
Under Secretary
Union Public Service Commission

CABINET SECRETARIATE
(DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMN.
REFORMS)

ENFORCEMENT DIRECTORATE

New Delhi, the 10th December 1976

No. A-11/42/76.—Shri Syed Athar Ali, Asstt. Enforcement Officer, Srinagar Sub-Zonal Office is hereby appointed to officiate as Enforcement Officer with effect from 15-11-76 and until further orders.

The 22nd December 1976

No. A-11/43/76.—Shri S. K. Basu, Inspector of Income-tax is appointed to officiate as Enforcement Officer in the Special Unit, Calcutta of this Directorate, with effect from 25.11.76 and until further orders.

J. N. ARORA
DEPUTY DIRECTOR (ADMN.)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 16th December 1976

No. PF/S-52/65-Ad. V.—On his attaining the age of superannuation, Shri S. P. Seth, Deputy Legal Adviser, C. B. I. Head Office, New Delhi relinquished charge of his office on the afternoon of 30th November 1976.

P. S. NIGAM
ADMINISTRATIVE OFFICER (E)
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DIRECTORATE GENERAL, C.R.P. FORCE

New Delhi-110001, the 29th December 1976

No. O.II-76/76-Estt.—The President is pleased to appoint on deputation Shri K. S. Chaturvedi, an IPS officer of Gujarat Cadre as Commandant in the C.R.P. Force.

2. Shri Chaturvedi took over charge of the post of Commandant 39th Bn, CRPF on the forenoon of 4th December 1976.

No. O.II-239/69-Estt.—Consequent on the expiry of 120 days IPR with effect from 8-7-76 to 4-11-76, Shri Jagu Singh, Assistant Commandant 59th Bn, CRPF has retired from Government service with effect from 4-11-76 (A.N.).

No. O.II 898/73-Estt.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Dr. Umesh Chandra Nanda, JMO, 27th Bn., C.R.P.F with effect from the afternoon of 20th November 1976.

No. OII-1045/76-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. V. Dalip Murthy, as Junior Medical Officer in the C.R.P.F. on an ad-hoc basis for a period of 3 months only with effect from the forenoon of 14th December 1976.

The 3rd January 1977

No. O.II-1046/76-Estt.—The Director General, CRPF, is pleased to appoint Dr. Koshy Eapen, as Junior Medical officer in the CRPF on an ad-hoc basis for a period of 3 months only with effect from the forenoon of 16th December 1976 or till recruitment to the post is made on regular basis whichever is earlier.

A. K. BANDYOPADHYAY
ASST. DIRECTOR (Adm)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi, the 30th October 1976

No. E-32015(2)/1/76-Pers.—The President is pleased to appoint Col. B. D. Bhanot as Commandant, CISF unit KCC Khetrinagar, on re-employment, w.e.f. the forenoon of 17th day of September 1976 until further orders vice Shri G. R. Khosla, who on transfer to New Delhi relinquished the charge of the said post on the forenoon of the same date.

No. E-38013(3)/17/76-Pers.—The President is pleased to appoint Inspector P. A. Pandarkar to officiate as Assistant Commandant, Gp. HQrs. CISF, Bombay w.e.f. the forenoon of 13th September 1976, until further orders & assumed the charge of the said post w.e.f. the same date.

L. S. BISHT
INSPECTOR GENERAL

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 31st December 1976

No. 11/4/76-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri A. K. Biswas, Investigator in the office of the Registrar General, India as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Lakshadweep on a purely temporary and ad-hoc basis with effect from the forenoon of 26th November, 1976 up to 28th February 1977 or until further orders, whichever is earlier.

The headquarters of Shri Biswas will be at Kavaratti.

BADRI NATH
Dy. Registrar General, India &
ex-officio Dy. Secretary to
the Govt of India.

SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad, the 24th December 1976

No. 7(35)/9348.—Further to this office Notification Nos. 7(35)/14385 dated 17.3.75, 7(35)/7963 dated 23/24.10.75 and 7(35)/10314 dated 1-1-76 Shri N. P. Singh, Foreman (Mech.) is appointed on a regular basis to officiate as Assis-

tant Engineer (Mechanical) in the Security Paper Mill, Hoshangabad in the Pay Scale of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 1.3.1976.

R. VISWANATHAN
General Manager
Security Paper Mill
Hoshangabad (M.P.)

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE COMPTROLLER & AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi, the 5th January 1975

No. 13-CA. 1/55-76—The Addl. Deputy Comptroller & Auditor General (Commercial) has been pleased to promote the following Section Officers (Comm.) and appoint them to officiate as Audit Officers (Commercial) and post them as such to the offices noted against each name in Col. 4 with effect from the dates mentioned in column 5 below, until further orders :

Sl. No.	Name of the S.O's (Comm.)	Offices where working before promotion	Offices where posted on promotion as A.O.(C)	Date of posting as officiating A.O.(C)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
	S/Shri			
1.	Asim Kumar Bagchi	M.A.B. & Ex-officio DCA (Coal) Calcutta	MAB & Ex-officio DCA (Coal), Calcutta	22-9-76 (FN)
2.	T. P. Bhargava	On deputation with C.A.G.'s office	M.A.B. & Ex-officio DCA, Dehradun	30-10-76 (FN)
3.	Krishna Prasad	M.A.B. & Ex-officio DCA, Ranchi	M.A.B. & Ex-officio DCA, Ranchi	7-10-76 (FN)
4.	A. Govinda Krishna	A. G.-II, Tamil Nadu, Madras	A.G.-II, Tamil Nadu, Madras	25-9-76 (FN)
5.	R. S. Bhagavantha Rao	M.A.B. & Ex-officio DCA, Bangalore	A.G., A.P.-II, Hyderabad	11-10-76 (FN)
6.	D. P. Sharma	M.A.B. & Ex-officio DCA, New Delhi	M.A.B. & Ex-officio DCA, Dehradun	26-10-76 (FN)
7.	D. D. Ratnaparkhi	A.G. (S & CD), Bombay	MAB & Ex-officio DCA, Bombay	27-9-76 (FN)
8.	K. P. Sharma	A.G., Rajasthan	R.A.O., Baroda under MAB & Ex-officio DCA, Dehradun	27-10-76 (FN)
9.	R. Sampath	A.G.-II, Tamil Nadu, Madras	AG.-II, Tamil Nadu, Madras	25-9-76 (FN)
10.	M. R. Godhkando	M.A.B. & Ex-officio DCA (Coal), Calcutta	R.A.O., Nagpur under M.A.B. & Ex-officio DCA, Calcutta	28-9-76 (FN)
11.	Ishwar Chandra Joshi	A.G., Rajasthan	AG-II, Bihar, Patna	29-9-76 (FN)

S. D. BHATTACHARYA
Deputy Director (Commercial)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi, the 31st December 1976

No. 40011(1)/76/AN-A—The Controller General of Defence Accounts hereby appoints the undermentioned Permanent Section Officers (Accounts) as Accounts Officers in an Officiating capacity with effect from the dates noted against each until further orders

Sl. No.	Name	Organisation in which serving	Date
1	2	3	4
	Sarvashri		
1.	V. N. Srinivasan	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) —South, Madras.	30-9-76 (FN)
2.	N. C. Chakraborty	Controller of Defence Accounts (Factories), Calcutta.	21-9-1976 (FN)
3.	S. S. Lamba	Controller of Defence Accounts Northern Command, Jammu	18-10-1976 (FN)
4.	H. S. Hariharan	Controller of Defence Accounts (Navy) Bombay.	7-10-1976 (FN)

1	2	3	4
5.	Sri Krishan Sharma	Controller of Defence Accounts Northern Command, Jammu.	13-10-1976 (FN)
6.	G. S. Kulkarni	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) —South, Madras.	1-10-1976 (FN)
7.	D. C. Phadke	Controller of Defence Accounts Southern Command, Poona.	1-10-1976 (FN)
8.	I. S. Narayanan	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) —South, Madras.	12-10-1976 (FN)
9.	H. S. Kohli	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) —North, Meerut.	6-10-1976 (FN)
10.	Triloki Nath Sareen	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) —North, Meerut.	5-10-1976 (FN)
11.	Jiwan Das Mehar	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) —North, Meerut.	15-10-1976 (FN)
12.	Amrit Lal Arora	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) —North, Meerut.	30-10-1976 (AN)
13.	N. R. Seshagiri Rao	Controller of Defence Accounts (Officers) Poona.	6-10-1976 (FN)
14.	P. M. John	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) —South, Madras.	11-10-1976 (FN)
15.	D. R. Kalra	Controller of Defence Accounts Central Command, Meerut.	7-10-1976 (FN)
16.	Nirmal Chand Chadha	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) —North, Meerut.	29-10-1976 (FN)
17.	K. B. Lahiri	Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehra Dun.	27-10-1976 (FN)
18.	D. D. Sharma	Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad.	30-10-1976 (FN)
19.	P. C. Purkait	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.	1-11-1976 (FN)
20.	V. N. Date	Controller of Defence Accounts (Officers) Poona.	16-10-1976 (FN)
21.	A. S. Narasimhan	Controller of Defence Accounts Central Command, Meerut.	8-10-1976 (FN)
22.	S. Ramasubramanian	Controller of Defence Accounts Southern Command, Poona.	1-11-1976 (FN)
23.	B. M. Mukherjee	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.	1-11-1976 (FN)
24.	J. V. Champaneria	Controller of Defence Accounts Southern Command Poona.	1-11-1976 (FN)
25.	S. Ponniah	Controller of Defence Accounts (Officers) Poona.	1-11-1976 (FN)
26.	A. R. Chatterjee	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.	1-11-1976 (FN)
27.	K. C. Neraliya	Controller of Defence Accounts Patna.	1-11-1976 (FN)
28.	Rati Ram	Controller of Defence Accounts Northern Command, Jammu.	1-11-1976 (FN)
29.	Mahendra Singh	Controller of Defence Accounts Patna.	5-11-1976 (FN)
30.	Shiv Charan Singh	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) —North Meerut.	1-11-1976 (AN)

S. V. SUBRAMANIAN
Dy. Controller General of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF DEFENCE
INDIAN ORDNANCE FACTORIES
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE
FACTORIES

Calcutta-69, the 27th December 1976

No. 3/76/A/M.—Dr. B. R. Agarwal Ty. Asstt. Surgeon Gr. I (Permanent Asstt. Surgeon Gr. II) Ordnance Factory, Muradnagar has been retired permanently on 9-5-76 as his own request under President of India orders bearing Ministry of Defence No. 6(4)/76/US-1/D(Fy-II) dated 18-3-76.

DR. S. BHATTACHARYA
DIRECTOR GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

of the Director of Inspection, Madras. Shri T. A. Ramabhandaran relinquished charge of the post of Assistant Director (Admin.) (Gr. II) in the office of the Director of Supplies and Disposals, Madras with effect from the forenoon of 9th December, 1976.

K. L. KOHLI
Deputy Director (Administration)
for Director General, Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL & MINES
DEPARTMENT OF STEEL
IRON & STEEL CONTROL

Calcutta-20 the 20th December 1976

No. EI-2/(2)/71(.).—Shri Sudhir Ranjan Bose Roy, officiating Deputy Assistant Iron & Steel Controller, is hereby appointed to officiate in the post of Assistant Director (Administration) with effect from 17.12.1976.

T. GHOSH
Iron & Steel Controller

MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 17th December 1976

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 6/806.67-Admn(G)/7931.—The President is pleased to appoint Shri R. P. Basu permanent in the Section Officer's Grade of the CSS and Controller of Imports and Exports in this office to officiate in Grade I of that service for a further period from 1.10.1976 to 31-12-76, or till the vacancy is available, whichever is earlier.

2. The President is also pleased to appoint Shri R. P. Basu as Dy. Chief Controller of Imports and Exports in the office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi for the aforesaid period.

A. S. GILL
Chief Controller of Imports & Exports

DEPARTMENT OF TEXTILES
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 29th December 1976

No. 50011/12/76-DCH.—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 8th July 1976 and until further orders Shri D. N. Bhargava, Assistant Director, Grade I (Designs) in the Weavers' Service Centre, Indore as Deputy Director (Designs) in the same Centre.

KM. RENU SAHNI
Deputy Development Commissioner for Handlooms

DEPARTMENT OF SUPPLY
DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 18th December 1976

No. A-1/1(1094).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri K. N. Nagraj, Junior Field Officer in the Directorate of Supplies & Disposals, Madras to officiate on ad-hoc basis as Assistant Director (Grade II) in the Directorate of Supplies (Tex), Bombay with effect from the forenoon of 25th November, 1976 and until further orders.

The appointment of Shri Nagraj as an Assistant Director (Grade II) is purely temporary and subject to the result of Civil Writ Petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppaswamy in the High Court of Delhi.

The 29th December 1976

No. A-1/1(1055).—On his reversion to the non-gazetted post of Superintendent (Supervisory Level II) in the office

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF PAYMENTS
(IISCO)

Calcutta-20, the 29th December 1976

No. IISCO (Compensation/Policy)(.).—In exercise of the powers conferred upon me as Commissioner of Payments under Section 5(2) of the Indian Iron and Steel Company (Acquisition of Shares) Act, 1976 (Central Act 89 of 1976), I hereby authorise Shri U. K. Mukhopadhyay, an Officer appointed by the Central Government vide Department of Steel Notification dated 24th December 1976 as endorsed to me in Ministry's No. Ind. II-8(67)/76 dated 24.12.1976 to discharge for and on my behalf, all or any of the powers vested in me as such Commissioner of Payments, as provided under sections 8 and 10 of the said Act.

T. GHOSH
Commissioner of Payments

DEPARTMENT OF MINES
INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 29th December 1976

No. A19011(188)/75-Estt. A.—The President is pleased to appoint Shri N. M. Sangode, to the post of Deputy Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines, in an officiating capacity with effect from the forenoon of 4th December 1976 until further orders.

The 4th January 1977

No. A19011(107)/70-Estt. A.—The President is pleased to appoint Shri G. Bhattacharya, Assistant Controller of Mines Indian Bureau of Mines to officiate as Deputy Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 14th December 1976, until further orders.

L. C. RANDHIR
Administrative Officer
for Controller

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 28th December 1976

No. C-5170/579-A.—Shri B. Bandopadhyay, Officer Surveyor, Survey of India (Group 'B' Service) is confirmed in his appointment with effect from 8.2.71.

The 31st December 1976

No. C-5173/707—The undermentioned officers are appointed to officiate as Officer Surveyor (Group 'B' posts), Survey of India in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-40-1200 with effect from the date as shown against each :

Name and designation	Unit/Office	With effect from
1. Shri R. S. Easwaran, Draftsman Div. I (Sel. Gde.)	No. 4 Drawing Office, (SC), Bangalore.	19-11-1976 (FN)
2. Shri N. V. Nair, Survey Assistant (Sel. Gdo.)	No. 8 Drawing Office (SCC), Hyderabad.	20-11-1976 (FN)
3. Shri Sohan Singh, Survey Assistant (Sel. Gde.)	No. 43 Party (PMP), Hyderabad.	20-11-1976 (FN)

K. L. KHOSLA
Major General Surveyor General of India
(Appointing Authority)

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING FILMS DIVISION

Bombay-26, the 27th December 1976

No. 17/59/49-Est.I.—On expiry of the leave granted to Shri G. K. D. Nag, officiating Branch Manager, Films Division, Lucknow, Shri R. P. Sharma, officiating Branch Manager, Films Division, Lucknow reverted to the post of Salesman with effect from the afternoon of the 12-11-1976.

The 31st December 1976

No. A-12026/7/75Est.I.—On reversion of Shri M. Chandran Nair Officiating Administrative Officer, Films Division, Bombay, as Asstt. Administrative officer in the afternoon of 24.12.1976, Shri V. R. Peswani, Officiating Asstt. Administrative Officer, Films Division, Bombay, reverted to the post of Superintendent in the same office with effect from the afternoon of 24.12.1976.

M. K. JAIN
Administrative Officer
for Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New, Delhi, the 30th December 1976

No. 9-56/75-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to accept the resignation of Dr. M. K. Sharma from the post of Ayurvedic Physician in the Central Govt. Health Scheme, Bombay with effect from the afternoon of 30th November 1976.

The 4th January 1977

No. A.39013/7/76-CGHS.I.—Consequently on acceptance of his resignation Dr. P. Bakaya, Junior Medical Officer (Ad-hoc) relinquished charge of his post in on 15th November, 1976 (A.N.).

P. K. JINDAL, Deputy Director Admn.
(CGHS)

New Delhi, the 31st December 1976

No. A.22013/2/76-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri O. P. Bali a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service to officiate in Grade I of the C.S.S. for a period of 48 days from the forenoon of the 6th December, 1976 to the 22nd January, 1977.

The President is also pleased to appoint Shri O. P. Bali as Deputy Director Administration in the Directorate General of Health Services for the above period.

The 4th January 1977

No. A.12023/21/76(CHEB)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri D. Lakshminarayan, Health Education Technician, Grade 1 (Script Writer) Central Health Education Bureau, Directorate General of Health Services, New Delhi, to the post of Assistant Editor (Radio & Television) in the same Bureau with effect from the forenoon of the 1st November, 1976 on an *ad-hoc* basis and until further orders.

S. L. KUTHIALA,
Deputy Director Administration (O&M)

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION (BRANCH HEAD OFFICE)

Nagpur, the December 1976

No. F.3(44)/9/72-DII.—In exercise of the powers conferred by the Finance Department (Central Revenues) Customs Notification No. 12 dated the 9th June 1945, and Customs Notification No. 1 Camp dated 5th January 1946 and Government of India, Ministry of Finance (Revenue Division) Customs No. 6 dated the 5th February, 1949 and Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue) Customs Notification No. 64 dated the 17th June 1961, I hereby authorise S/Shri S. B. Chakravarty and S. Ahmed, Assistant Marketing Officers, to issue Certificate of Grading from the date of issue of this Notification in respect of Tobacco, which has been graded in accordance with the Tobacco Grading and Marking Rules, 1937 (as amended) and expert of which is subject to the provisions of the above mentioned notification.

J. S. UPPAL, Agricultural Marketing Adviser

Faridabad, the 15th January 1977

No. F. 4-13(24)/75-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri M. R. Gholba has been appointed to officiate as Chief Wool Testing Officer, on regular basis, in this Directorate at Bombay w.e.f. 16.6.1976, until further orders.

B. L. MANIHAR,
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

DELHI MILK SCHEME

New Delhi, the 3rd January 1977

No. 3-60/76-Estt(Spl).—The following Assistant Milk Distribution Officers are appointed to the Post of Milk Distribution Officers (Group 'B' Gazetted) in the Pay Scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on regular basis with effect from 19.7.1976 (FN).

1. Sh. D. D. Bansal
2. Sh. R. K. Malhotra
3. Sh. Tej Lal

GORAKH RAM, Chairman

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
(PERSONNEL DIVISION)

Bombay-85, the 19th October 1976

No. PA/73/(2)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. (Smt.) Sushila Indrajit Prasad to officiate as Resident Medical Officer in a temporary capacity with effect from the forenoon of September 30, 1976 until further orders.

P. UNNIKRISHNAN, Dy. Establishment Officer (R)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400001, the 14th December 1976

No. DPS/A/32011/3/76/Est.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Karuvathil Ravchandran, a temporary Assistant of this Directorate to officiate as an Assistant Personnel Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 with effect from November 22, 1976 (FN) to December 31, 1976 (AN) vice Shri B. G. Kulkarni, Assistant Personnel Officer granted leave.

The 20th December 1976

No. DPS/A/12024/5/76/Est/18141.—Consequent on his selection by the Cadre Authority in the Department of Atomic Energy for appointment to the post of Accounts Officer-II and his posting to the Directorate of Purchase and Stores, Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Gajanan Laxman Haladipur, a permanent Assistant Accountant in B.A.R.C. and a temporary Assistant Accounts Officer in the Directorate of Purchase and Stores to officiate as Accounts Officer-II in the same Directorate with effect from the forenoon of August 2, 1976 until further orders.

The 22nd December 1976

No. DPS/A/32011/3/76/Est.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Veliyathuparambil Chakkunni Varkey, a temporary Purchase Assistant of this Directorate to officiate as a temporary Assistant Purchase Officer on an ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the same Directorate with effect from November 10, 1976 (FN) to December 24, 1976 (AN), vice Shri B. L. Thakur, Assistant Purchase Officer appointed as Purchase Officer.

V. P. CHOPRA, Administrative Officer

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 22nd December 1976

No. RRC-II-13(11)/76-16441.—Project Director, Reactor Research Centre, hereby appoints Shri Yakub Baquer Sheriff, a temporary Scientific Assistant 'C' of this Centre, as Scientific Officer Engineer Grade SB in the same Centre, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of August 1, 1976 until further orders.

K. SANKARANARAYANAN,
Senior Administrative OfficerMINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 30th December 1976

No. E(1)05438.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri Bhawani Datt, Prof. Assistant, Meteorological Centre, Regional Meteorological Centre, New Delhi, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of sixty days with effect from the forenoon of 15.11.76 to 13.1.1977.

Shri Madan, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi.

The 3rd January 1977

No. E(1)06280.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri Bhawani Datt, Prof. Assistant, Meteorological Centre, Srinagar under the office of the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of EIGHTYNINE days with effect from the forenoon of 21.10.76 to 17.1.77.

Shri Bhawani Datt, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the Meteorological Centre, Srinagar under the office of the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi.

M. R. N. MANIAN,
Meteorologist

for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL
AVIATION

New Delhi-110022, the 4th January 1977

No. A.24013/77/75-EC.—The Director General of Civil Aviation has been pleased to permit Shri D. J. H. Writer, Assistant Communication Officer, Aeronautical Communication Station, Bombay to retire from Govt. service in terms of the provisions of F.R. 56(k) with effect from the 30th November, 1976 (AN).

V. V. JOHRI,
Assistant Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 15th December 1976

No. A.32013/4/75-EC.—The President is pleased to appoint Shri D. K. Chadda Asstt. Technical Officer in the Civil Aviation Training Centre Allahabad to the grade of Technical Officer on regular basis with effect from the 30-12-1975 (F.N.) until further orders; and to post him in the office of the Director Radio Construction & Development Units, Safdarjung Airport, New Delhi.

The 22nd December 1976

No. A.12025/8/75-EC.—The President is pleased to appoint Shri Praful Kumar Kapoor, as a Communication Officer in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department in an officiating capacity with effect from the 30th November, 1976 (FN) and until further orders and to post him at Aeronautical Communication Station, Calcutta.

New Delhi-110022, the 22nd December, 1976

No. A. 12025/8/75-EC—The President is pleased to appoint the undermentioned persons in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department as Technical Officer in an officiating capacity with effect from the date shown against each and until further orders and to post them at the stations indicated against each :

S. No.	Name	Date from which appointed	Office/Station to which posted.
1.	Shri Suresh Chandra Duggal	19-11-1976 (FN)	Radio Const. & Dev. Units, New Delhi
2.	Shri Kuldip Singh	29-11-1976 (FN)	
3.	Shri Jeet Singh Chhabra	27-11-1976 (FN)	
4.	Shri S. Sundararaman	30-11-1976 (FN)	A. C. S. Calcutta.
5.	Shri Vikramaditya Manuja	30-11-1976 (FN)	R. C. & D. Units, New Delhi.
6.	Shri Ram Kumar Singla	1-12-1976 (FN)	R. C. & D. Units, New Delhi.

No. A. 32013/9/76-EC—The President is pleased to appoint the following Technical Officer to the grade of senior Technical Officer purely on ad-hoc basis upto the 31-12-1976 or till regular appointments to the grade are made whichever is earlier with effect from the date indicated against each and to post them to the stations indicated against each :

S. No.	Name	Present station of posting	Date from which taken charge	Station to which posted
1.	Shri S. Krishnaswamy	A.C.S. Calcutta	3-12-1976 (FN)	ACS, Calcutta.
2.	Shri S. P. Hardas	A.C.S. Gauhati	3-12-1976 (FN)	ACS, Gauhati.

The 5th January 1977

No. A.35019/1/72-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to permit the absorption of Shri H. S. Mohan, a permanent Assistant Technical Officer of the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department with effect from the 26th April 1976 in the A. R. C. (Technical) of the Directorate General of Security (Mahanideshalaya Suraksha), Office of the Director, ARD (Vimanan Anusandhan Kendra), New Delhi..

V. V. JOHRI, Assistant Director of Admn.

an officiating capacity in the same Branch, for the period from 11.10.76 to 27.11.76 (both days inclusive) against a short-term vacancy.

M. S. KRISHNASWAMY, Administrative Officer
for Director General

VAN ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM
MAHAVIDYALAYA

Dehra Dun, the 3rd January 1977

No. 16/251/76-Ests-1.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, has been pleased to appoint Shri Lok Pal as Assistant Lecturer in Engineering and Surveying at the Eastern Forest Rangers College, Kurseong, West Bengal, in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 28th October, 1976, until further orders.

P. R. K. BHATNAGAR, Kul Sachiv
Van Anusandhan Evam Mahavidyalaya

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the January 1976

No. 1/367/76-FST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri R. L. Menezes, Supervisor, Bombay Branch as Deputy Traffic Manager, in

OFFICE OF THE ENGINEER-IN-CHIEF
CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the December 1976

No. 27-EE/R(6)/69-ECIL—The following officers of Central P.W.D. on attaining the age of superannuation (58 years) have retired from Govt. service with effect from 31-12-1976 (AN) :

S. No.	Name	Present designation
S/Shri		
1.	M. N. Mathur	Executive Engineer (Civil) on deputation to Delhi State Industrial Dev. Corporation Ltd., New Delhi.
2.	K. V. Rajashekhar	Executive Engineer (Elect.) on deputation to Central Vigilance Commission, New Delhi.
3.	P. N. Chatterjee	Executive Engineer (Elect.), Calcutta Elect. Dn. I, CPWD, Calcutta.
4.	R. N. Ganguli	Executive Engineer (Elect.), Patna Central Elect. Dn., CPWD Patna.

P. S. PARWANI
Dy. Director of Administration

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110022, the 16th December 1976

No. 6/21/76-Adm.II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints Shri Mahendra Kumar, Supervisor to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of Central Power Engineering Class II Service with effect from the forenoon of 21-9-1976 until further orders.

P. M. SIRAJUDDIN, Under Secy.

MINISTRY OF LAW JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)COMPANY LAW BOARD
OFFICE OF THE REGISTER OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Paradise Industries Private Limited

Ahmedabad, the 28th December 1976

No. 1071/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s Paradise Industries Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Amar Benefit Private Limited

Ahmedabad, the 4th January 1977

No. 1306/560.—Notice is hereby given pursuant sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Amar Benefit Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

J. G. GATHA,
Registrar of Companies
Gujarat

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Mewar Minerals Company Private Limited

Jaipur, the 30th December 1976

No. Stat/89A.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Mewar Minerals Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

R. D. KUREEL
Registrar of Companies
Rajasthan

Madras-600006, the 30th December 1976

No. 1297/247(4)/Liqdn./76-1913 Act.—Whereas The Krishnagiri Sree Kannikaparameswari Bank, Limited (in liquidation) having its Registered Office at 5/3, P. B. Venkatamuni Chetty Residence, Bargaon street, Krishnagiri is being wound up;

AND WHEREAS the undersigned has reasonable cause to believe that no liquidator is acting the affairs of the company have been completely wound up and that the statement of accounts required to be made by the Liquidator have not been made for a period of six consecutive months;

NOW THEREFORE, in pursuance of the provisions of sub-section (4) of Section 247 of the Indian Companies Act VII of 1913, notice is hereby given that at the expiration of three months from the date of this notice the name of The Krishnagiri Sree Kannikaparameswari Bank Limited (in

liquidation) will unless cause is shown to the contrary be struck off the register and the company will be dissolved.

P. ANNAPURNA,
Addl. Registrar of Companies
Tamil Nadu

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Coimbatore Mahalakshi Agencies Private Limited

Madras-600006, the 28th December 1976

No. 4411/560(5)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Coimbatore Mahalakshi Agencies Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Sri Saru Transports Private Limited

Madras-600006, the 28th December 1976

No. 4131/560(5)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Sri Saru Transport Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Sri Thirupurasundari Transports Private Limited

Madras-600006, the 28th December 1976

No. DN/4357/560(5)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act 1956 that the name of M/s. Sri Thirupurasundari Transports Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Selva Muthukumarasamy Bus Service Private Ltd.

Madras-600006, the 28th December 1976

No. 4643/560(5)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Selva Muthu Kumarasamy Bus Service Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Ahilandeswari Transports Private Limited

Madras-600006, the 28th December 1976

No. 4705/560(5)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Ahilandeswari Transports Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Swarupam Transports Private Limited

Madras-600006, the 28th December 1976

No. 4895/560(5)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Swarupam Transports Private Limited. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

P. BHASKER RAO
Asstt. Registrar of Companies
Tamilnadu

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Hind Houses & Construction Limited, Lucknow

Kanpur, the 29th December 1976

No. 1855-Liqn.—By an order dated 6th April 1970 in Company Petition No. 18 of 18967 of the Hon'ble High Court of Judicature at Allahabad, it has been ordered to wind up Hind Housing & Construction Ltd. Lucknow and the Official Liquidator, Allahabad has been appointed its Official Liquidator.

S. NARAYANAN
Registrar of Companies, U.P.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th January 1977

Ref No. FZR/116/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at opposite to New Grain Market, Fazilka (in vill. Panchawali) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Fazilka on May, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Anil Kumar S/o Murari Lal Self & Mukhtar Aam 2. Murari Lal S/o Khazan Chand 3. Vipin Pal alias Yash Pal S/o Murari Lal 4. Saraswati Devi w/o Murari Lal of Fazilka.

(Transferor)

(2) Shri Krishan Lal S/o Munshi Ram S/o Hari Ram of Fazilka.

(Transferee)

“(3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s), if any.

(Person in occupation of the property)

“(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land in Vill. Pancha Wali as mentioned in the Registered Deed No. 401 of May, 1976 registered by the Sub-Registrar, Fazilka.

V. R. SAGAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 6-1-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th January 1977

Ref. No. FZR/117/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Vill. Pancha Wali, Opp. to New Grain Market, Fazilka (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fazilka on May 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

9—426GI/76

(1) Shri Anil Kumar S/o Sh. Murari Lal S/o Khazan Chand. (2) Murari Lal S/o Khazan Chand (3) Vipin Pal alias Yash Pal S/o Murari Lal (4) Saraswati Devi W/o Murari Lal Resident of Fazilka through Sh. Anil Kumar S/o Shri Murari Lal resident of Fazilka.

(Transferor)

(2) Shrimati Indro Devi W/o Munshi Ram S/o Hari Ram Resident of Fazilka.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land in Vill. Pancha Wali as mentioned in the Registered Deed No. 419 of May, 1976 registered by the Sub-Registrar, Fazilka.

V. R. SAGAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Amritsar

Date : 6-1-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th January 1977

Ref. No. FZR/118/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Land situated at Vill. Panchawali, Opp. to New Grain Market, Fazilka (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fazilka on May, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilities the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Anil Kumar S/o Sh. Murari S/o Sh. Khazan Chand (2) Sh. Murari Lal S/o Khazan Chand (3) Vipan Pal alias Yash Pal S/o Sh. Murari Lal (4) Saraswati Devi W/o Murari Lal Resident of Fazilka. Th : Anil Kumar S/o Sh. Murari Lal S/o Sh. Khazan Chand R/o Fazilka.
(Transferor)
- (2) Shrinati Roop Rani W/o Sh. Krishan Lal S/o Sh. Munshi Ram R/o Fazilka.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land in Vill. Pancha Wali as mentioned in the Registered Deed No. 420 of May, 1976 registered by the Sub-Registrar, Fazilka.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 6-1-1977
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th January 1977

Ref. No. FZR/119/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Opp. New Grain Market, Fazilka (in Vill. Pancha Wali) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fazilka on May, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Anil Kumar S/o Murari Lal S/o Khazan Chand self and Mukhtar Aam 2. Murari Lal S/o Khazan Chand 3. Vipin Pal alias Yash Pal S/o Khazan Chand 4. Saraswati Devi W/o Murari Lal of Fazilka, (Transferor)
- (2) Shri Satpal S/o Munshi Ram 2. Munshi Ram S/o Hari Ram of Fazilka. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land in Village Pancha Wali as mentioned in the Registered Deed No. 432 of May, 1976 registered by the Sub-Registrar, Fazilka.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 6-1-1977
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th January 1977

Ref. No. Asr/120/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Village Rudala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ajnala on May, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Mohinder Singh S/o Ujjagar Singh V. Rudala near Rajasansi, Teh. Ajnala Distt. Amritsar.
(Transferor)

(2) Shri Harbhajan Singh s/o Sh. Shamsher Singh 1/3rd share, Surrinder Kaur D/o S. Amolak Singh 1/3rd share, Amritpal s/o S. Harbhajan Singh 1/3rd share, Leelabhan, The Mall, Ludhiana.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land in Vill. Rudala as mentioned in the Regd. deed No. 417 of May, 1976 of the Registering authority Ajnala.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 6-1-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri H. K. Lal S/o Shri Gurditta Mal r/03/9 Roop Nagar, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Harbans Kaur w/o S. Bhagwant Singh r/o 138, Sunder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE I, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 22nd December 1976

Ref. No. IAC/Acq.I/SRIII/1142/Aug.II/(16)/76-77.—

Whereas, I, B. K. SINHA, being the competent authority under section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as in the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 138, Block No. 171 situated at Sunder Nagar, New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 31-8-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land measuring 0.179 Acres situated on Plot No. 138 in Block No. 171 in Sunder Nagar, New Delhi along with its super-structure including two and half storeyed building constructed thereon and bounded as under:—

North : By approach road,
South : By Service road,
East : By plot No. 136
West : By plot No. 140

B. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Dated : 22-12-1976
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 6th January 1977

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/Aug/530(3)/76-77/4698.—

Whereas, I, S. C. PARIJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 25-B/6-New Rohtak Road, situated at W.E.A., Karol Bagh, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on 17-8-1976,

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) S/Sh. Om Parkash, Krishan Lal, Amar Nath & Som Nath, sons of Lala Bhagwan Dass and Smt. Vinod Bala W/o Sh. Baldev Raj, all r/o 26/53-54, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. (Dr.) Sawaran Kanta Jain, W/o Dr. Virender Kumar Jain, R/o 847-Joshi Road, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece of land admeasuring 316 sq. yds. or thereabout (40 ft.-8inchx70ft.-3inch) alongwith boundary wall and bearing Plot No. 25-B/6, New Rohtak Road, Western Extension Area, Karol Bagh, New Delhi bearing Municipal No. XVI/7449 and bounded as under :

North : New Rohtak Road

South : Service Lane

East : Plot No. 25-B/5

West : Property on Plot No. 25-B/7

S. C. PARIJA,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi.

Dated : 6-1-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 6th January 1977

Ref. No. IAC/Acq.III/May/503(1)/76-77/4698.—

Whereas, I, S. C. PARIJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 12032 on Plot No. 4, Road No. 34 situated at Western Extn. Area, Karol Bagh, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 6-5-1976

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Vinod Kumar s/o Sh. Om Parkash for self and as guardian of (ii) Sh. Harsha Kumar (Minor-aged 16 years) s/o Sh. Vinod Kumar (iii) Smt. Sunita Rani w/o Sh. Vinod Kumar r/o Mathura Bhavan, Roorkee.

(Transferors)

(2) 1. Sh. Madan Lal Wahi, S/o Sh. Daulat Ram Wahi, R/o E-312, Model Town, Delhi. 2. Sh. Bansi Lal Wahi, S/o Sh. Daulat Ram Wahi, R/o 401-Nimri Colony, Bharat Nagar, Delhi. 3. Sh. Kewal Krishan Wahi, S/o Sh. Daulat Ram Wahi, R/o 61/19-Ramjas Road, Karol Bagh, New Delhi. 4. Sh. Rajkaran Wahi S/o Sh. Daulat Ram Wahi, R/o 53/83-Ramjas Road, Karol Bagh, New Delhi. 5. Smt. Urmila Rani W/o Sh. Madan Lal Wahi, R/o E-312, Model Town, Delhi. 6. Smt. Nita Rani W/o Sh. Bansi Lal Wahi R/o 401-Nimri Colony, Bharat Nagar, Delhi. 7. Smt. Bimla Rani W/o Sh. Kewal Krishan Wahi, R/o 61/19 Ramjas Road, Karol Bagh, New Delhi. 8. Smt. Shashi Bala W/o Sh. Rajkaran Wahi, R/o 53/83-Ramjas Road, Karol Bagh, New Delhi.

(3) Shri I. B. Roy, (ii) M/s Madan Lal & Co. (ii) M/s Blood Bank Organisation 4, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi. (Person(s) in occupation of the property)

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storey building bearing No. 12032 and Built on Plot No. 4, measuring 1450 sq. yds. on Road No. 34, Khasra No. 862/767 and situated in Western Extension Area, Karol Bagh, New Delhi and bounded as under :—

East : Pusa Road

West : Road

North : Building on Plot No. 3

South : Building on Plot No. 5

S. C. PARIJA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Dated : 6-1-77

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 4th January 1977

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/779.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as in the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land KH. No. 43/1, 23/2, Total area 4.379 hectares situated at Village-Jhagarlai, Distt-Narsinghpur situated at Vill-Jhagarlai, Distt-Narsinghpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Narsinghpur on 15-5-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) 1. Smt. Meena Bai W/o Shri Buddha Kurmi, R/o Jhagarlai, Distt-Narsinghpur.
2. Shri Mangal Singh.
3. Shri Shiv Prasad Both S/o Shri Budha Kurmi All R/o Jhagarlai, Distt-Narsinghpur.
(Transferors)

- (2) Shri Prem Chand S/o Shri Ramlal Sahoo, R/o Itwara Bazar, Azad Ward, Narsinghpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khasra No. 43/1, 23/2 total area 4.379 hectares situated at Village-Jhagarlai, Distt-Narsinghpur.

V. K. SINHA.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date 4th January, 1977.

Seal :

FORM ITNS—

(1) The Scindia Investment Pvt. Ltd., Gwalior

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Sukkar Griha Nirman Sahakari Sanstha,
Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 5th January 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/781.—Whereas, I. V. K. SINHA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open Land admeasuring 2,06,301 sq. ft. situated at Jai Vilas Palace, Gwalior situated at Gwalior

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 21-6-1976 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
10—426GI/76

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 2,06,301 sq. ft. situated at Jai Vilas Palace, Gwalior.

V. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 5th January, 1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Shri Haribhai S/o Shri Dhari Bhai.

2. Shri Sailesh Kumar S/o Shri Hari Bhai R/o
Bajinath Para, Raipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL(2) 1. Shri Mohd. Jahir Alias Kallu Mistry S/o Shri
Haji Kasimuddin.2. Shri Mohd. Javed S/o Shri Mohd. Jahir Both
R/o Bajinath Para, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 4th January 1977

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/780.—Whereas, I, V. K.
SINHA,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.Nazul Plot No. 7/2, Block No. 101-Kachcha H. No. 8/177
situated at Chhotapara, Raipur situated at Chhotapara,
Raipur.(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
at Raipur on 15-7-1976for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed
to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of:—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Nazul Plot No. 7/2, Block No. 101—Kachcha H. No.
8/177, situated at Chhotapara, Raipur.

V. K. SINHA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, BhopalNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 4th January, 1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269B(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 5th January 1977

Ref. No. Raj/IAC/Acq./360.—Whereas, I, R. K.
BHALLA,being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (here-
inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.Plot No. $\frac{54-55}{1}$ situated at Udaipur(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Udaipur on 26-6-1976for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of the notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-
sons, namely :—

- (1) Smt. Mohan Kanwar W/o Pratap Singh Maharaja,
R/o Fatehpura Opposite Sahelion Ki Bari, Udaipur.
(Transferor)

- (2) Svs 1. Sukhdevji S/o Jawarji Ada, R/O Pancheria
Teh. Marwar Junction (Pali) 2. Goverdhan Singh
S/o Madan Singh Ashia R/o Karia Teh. Nathdwara
3. Styadveji S/o Ram Singhji Bhada, R/o Sarwania
Teh. Vallabhanagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same mean-
ing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. $\frac{54-55}{1}$ situated at Sukharia Circle, Near Railway
Training, Udaipur more fully described in conveyance deed
registered at S. No. 1071 dated 26-6-1976 by sub-Registrar,
Udaipur.

R. K. BHALLA,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 5-1-1977.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Laxmi Asbestos Products Ltd.,
Shreeniwas House, 4th Floor,
Hazarimal Somani Marg, Fort, Bombay-1.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jul Ratan Deep Co-op Hsg. Soc. Ltd.,
Plot No. 13B, S. No. 161, M. G. Road,
Bangur Nagar,
Goregaon (West),
Bombay-62.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, Bombay-400002

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bombay-400002, the 24th December 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.III/1080/June 76.—Whereas, I, M. J. MATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 13B, S. No. 161, situated at Goregaon (West) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Sub-Registrar's Office, Bombay, on 17-6-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 13-B, S. No. 161, M. G. Road, Bangur Nagar, Goregaon (W), Bombay-62-Area-5525 sq. yds. or 4619.60 sq. mts. with the building standing thereon.

M. J. MATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-12-1976
Sewl :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th January 1976

- (1) 1. Patel Shivabhai Madhavlal;
2. Patel Babulal Chhaganlal;
3. Surajben Wd/of Patel Kachrabhai Tribhovandas.
4. Patel Vanmalidas Maganlal (decd.) legal heirs;
(i) Patel Saileshkumar Vanmalidas (ii) Bai Mangla-
ben W/o Vanmalidas Maganlal Patel Minors (a)
Savitaben Vanmalidas (b) Ranjanben Vanmalidas
(c) Paruben Vanmalidas.
5. Patel Baldevbhai Ramlal (decd.) Legal heirs :
(i) Patel Jaswantkumar Baldevrai (ii) Bai Champa
w/o Baldevrai Ramlal Minors (a) Rameshbhai
Baldevbhai (b) Bharatbhai Baldevbhai (c) Atulbhai
Baldevbhai, All at : Sardar Patel Society, Bhavpura
Kadi.

(Transferor)

- (2) Shri Ambica Pressing Factory, Kundal, through its
partners : Patel Maneklal Madhavlal; Sardar Patel
Society, Bhavpura, Kadi.

(Transferee)

Ref. No. P.R. No. 501 Acq. 23-890/14-4/76-77.—Whereas,
I, P. N. Mittal,

being the competent authority under section 269 B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. Sr. No. 590/1 situated at Village Kundal, sim, Tal. Kadi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Sub-Registrar, Kadi in May, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the
fair market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the consi-
deration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a
period of 30 days from the service of notice on
the respective persons, whichever period expires
later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXXA, of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

N.A. land bearing S. No. 590/1, situated at Village
'Kundal' sim, Tal. Kadi admeasuring 5 Acre and 2 gunthas
as described in sale deed registered under registration No. 650
of May 1976 by registering Officer Sub-Registrar, Khadi,
Ahmedabad

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date : 5th January, 1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th January 1977

Ref. No. P.R. No. 502 Acq. 23-891/14-4/76-77.—Whereas, J, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sur. No. 589 situated at Village 'Kundal' sim Tal. Kadi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sub-Registrar, Kadi in May, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- (1) 1. Patel Shivabhai Madhavlal;
2. Patel Babulal Chhaganlal;
3. Surajben Wd/of Patel Kachrabhai Tribhovandas.
4. Patel Vanmalidas Maganlal (decd.) legal heirs;
(i) Patel Saileshkumar Vanmalidas (ii) Bai Mangla-ben W/of Vanmalidas Maganlal Patel Minors (a) Savitaben Vanmalidas (b) Ranjanben Vanmalidas (c) Paruben Vanmalidas.
5. Patel Baldevbhai Ramlal (decd.) Legal heirs :
(i) Patel Jaswantkumar Baldevrai (ii) Bai Champa w/of Baldevrai Ramlal Minors (a) Rameshbhai Baldevbhai (b) Bharatbhai Baldevbhai (c) Atulbhai Baldevbhai, All at : Sardar Patel Society, Bhavpura Kadi.

(Transferor)

- (2) M/s. Babubhai Chhaganlal Patel; Oil Mill and Ginning Factory, Kundal, Partner : Patel Maneklal Madhavlal : Sardar Patel Society, Bhaupura, Kadi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

N.A. land, bearing S. No. 589 situated at village 'Kundal' sim Tal. Kadi admeasuring 3 acre and 14 gunthas as described in sale-deed registered under registration No. 651 of May, 1976 by registering Officer, Sub-Registrar, Kadi.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date : 5th January, 1977.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th January 1977

Ref. No. P.R. No. 503 Acq. 23-892/14-4/76-77.—Whereas,
I, P. N. MITTAL,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believethat the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearingNo. S. No. 253 situated at Kadi Kasba sim, outside Municipal
area, Kadi(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Kadi in May, 1976for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen
per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/
or(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) M/s. Gujarat Steel Rolling Mills, through its
partners :—
1. Abdulbhai Alkubhai Nagori;
3. Nayak Chhanalal Khushaldas & others;
3. Sattarbhai Abdulbhai Nagori;
4. Rasulbhai Abdulbhai Nagori;
5. Kamruddin Abdullahbhai Nagori;
6. Laljibhai Kacharabhai Nayak;
7. Baldevbhai Kachrabhai Nayak;
8. Manilal Atmaram Nayak.
Kadi (N. Guj.).

(Transferor)

- (2) M/s. Krishna Steel Rolling Mills, through its part-
ners : Jaswantlal Ramlalbhai Parikh & others, Kadi
(N. Guj.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property being land admeasuring in aggregate 3 acre 27 gunthas bearing Sur. No. 253 situated at Kadi Kasba, alongwith certain structures in the form of factory shed, Office building, labourers' quarters etc, as described in the sale deed bearing Registration No. 595 of May, 1976 of Sub-Registrar, Kadi.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date : 5th January, 1977.

Seal :

FORM ITNS—

- (1) 1. Shri Vijoy Kumar Khanna,
2. Smt. Shashi Khanna and
3. Smt. Raj Dulari Khanna.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) 1. Shri Panchu Charan Naskar &
2. Shri Narayan Chandra Mondal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V, 54, RAFI AHMED
KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta, the 28th December 1976

Ref. No. AC-29/Acq.R-V/Cal/76-77.—Whereas, I, S. S. INAMDAR,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

situated at Mouza Bud Bud, Dist : Burdwan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 20-5-76

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 16.3 cottahs more or less by actual measurement together with the Cinema House thereon situated at Bud Bud, Dist : Burdwan more particularly as per deed No. 2135 dated 20-5-1976.

S. S. INAMDAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range-V,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 28-12-1976
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Suburban Agriculture Diary & Fisheries (Private) Ltd., 396/3, Netaji Subhas Ch. Bose Road, Calcutta-47.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED
KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta, the 4th January 1977

Ref. No. 365/Acq. R-III/76-77/Cal.—Whereas, I, L. K. BALASUBRAMANIAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Dag No. 1, situated at Mouza-Chakgaria, P.S. Jadavpur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Barasat, 24-Pgs. on 26-5-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
11—426G1/76

- (2) 1. Kalinarayan Bhattacharjee,
33/5, Minapara Road, Cal-32.
2. Jyotish Chandra Bose,
74/3, Bade Raipur Road, Cal-32.
3. Kanti Ranjan Chakraborty,
Vill. : Pashim Raipur,
P.S. Jadavpur, Cal-32.
4. Bato Krishna Paul,
74/3, Bade Raipur Road, Cal-32.
5. Ashutosh Mitra,
33, Bagha Jatin Colony,
P.O. Garia, 24-Parganas.
6. Jibon Saha,
2/1461, Sree Colony, Cal-47.
7. Chittaranjan Kundu, residing at
B.O.R. Camp, Calcutta-40.
8. Rathin Prodhan,
"Matri Ashis", West Raipur,
Calcutta-32.
9. Debnarayan Bhattacharjee,
33, Minapara Road, Cal-32.
10. Mantu Chanda,
101, Vivekananda Road, Cal-6.

*(4) Jadavpur University Employees' Co-operative Housing Society Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of vacant land admeasuring 85 bighas more or less situated at Mouza-Chakgaria, P.S. Jadavpur, 24-Parganas in Khatian No. 10, Dag No. 1, J.L. No. 26 as per deed No. 631 of 1976 registered by the Additional Sub-Registrar at Barasat, 24-Parganas.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 4-1-1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. J. K. Alloys Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. J. K. Business Machines Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Calcutta, the 7th January 1977

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref No. Ac-13/R-II/Cal/76-77.—Whereas, I R. V. LALMAVIA, being the competent authority under section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 18A, situated at Alipore Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 26-5-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Partly mourashi mokarari land & partly rent free land measuring 590 Sq. metres marked as plot No. F & being a portion of premises No. 18A Alipore Road, Calcutta.

R. V. LALMAVIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 7-1-1977
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Nav Bharat Vanijya Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Juggilal Kamlapat (Agency Private Ltd.)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Calcutta, the 7th January 1977

Ref. No. Ac-14/R-II/Cal/76-77. - Whereas, I R. V. LALMAWIA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

18B, situated at Alipore Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 26-5-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

THE SCHEDULE

Partly mourashi Mokarati land and partly rent-free land measuring 496 Sq. metres marked as plot No. E and being a portion of premises No. 18B, Alipore Road, Calcutta.

R. V. LALMAWIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date : 7-1-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Nav Bharat Vanijya Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. J. K. Udyog Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Calcutta, the 7th January 1977

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. Ac-15/R-II/Cal/76-77.—Whereas, I R. V. LALMAWIA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 18B, situated at Alipore Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 26-5-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957, (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Partly mourashi mokarari land & partly rent free land measuring 465 Sq. metres & marked as plot No. D and being a portion of Premises No. 18B, Alipore Road, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

R. V. LALMAWIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date 7-1-1977
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Nav Bharat Vanijya Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Pranav Investment (M.P.) Company Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Calcutta, the 7th January 1977

Ref. No. AC-16 R-II Cal/76-77.—Whereas, I R. V. LALMAWIA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 18B, situated at Alipore Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 26-5-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Partly mouzashi mokarari land and partly rent free land measuring 408 Sq. metres marked as plot No. C and being a portion of premises No. 18B, Alipore Road, Calcutta.

R. V. LALMAWIA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-1-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Nav Bharat Vanijya Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Ashim Investment Company Ltd.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 7th January 1977

Ref. No. AC-17/R-II/Cal/76-77.—Whereas, I, R. V. LALMAWIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 18A and 18B, situated at Alipore Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 26-5-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Partly mourashi mokarari land and partly rent-free land measuring 402 Sq. metres marked as plot No. B and being a portion of premises No. 18A and 18B, Alipore Road, Calcutta.

R. V. LALMAWIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date 7-1-1977
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Nav Bharat Vanijya Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. J. K. Agents Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Calcutta, the 7th January 1977

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AC-18/R-II/Cal/76-77.—Whereas, I R. V. LALMAWIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 18A, situated at Alipore Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 26-5-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Partly Mourashi Mokarari Land and partly rent free land measuring 500 sq metres marked as plot No. A & being a portion of premises No. 18A, Alipore Road, Calcutta.

R. V. LALMAWIA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 7-1-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. J. K. Alloys Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Hoyle's Paints Ltd.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Calcutta, the 7th January 1977

Ref. No. AC-19/R-II/Cal/76-77.—Whereas, I R. V. LALMAWIA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

18A, situated at Alipore Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 26-5-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

Partly mourshi mokarari land and partly rent free land measuring 500 sq. metres & marked as plot No. G and being a portion of premises No. 18A, Alipore Road, Calcutta.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

R. V. LALMAWIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 7-1-1977
Seal :

FORM ITNS

- (1) (i) Sethupathy Bhaskaran
(ii) Nangini Yacob

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Sri Mathew, Kandankari, Nedumkunnam amsom desom, Kottayam District.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, MAREENA BUILDINGS, M. G.
ROAD, ERNAKULAM, COCHIN-682016.

Cochin-682016, the 6th January 1977

Ref. L. C. No. 108/76-77.—Whereas, I. S. N. CHANDRACHOODAN NAIR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. Nos. as per schedule situated at Vellankara Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ollukkara on 21-5-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

6 acres of rubber estate in Sy. Nos. 55/1, 57/1, in Vellankara village.

S. N. CHANDRACHOODAN NAIR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

12—426GI/76

Date : 6-1-1977.
Seal :

FORM ITNS

1. Kerala Varma Kunjhikidavu Thampuram, Karimpatta House, Convent Road, Trichur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. (1) Sethupathy Bhaskaran, S/o Sri Edakandi Unnikutty, Karyakunnu amsom desom, Calicut.
(2) Nangini Yocob, East Chalakudy.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, MAREENA BUILDINGS, M. G. ROAD, ERNAKULAM, COCHIN-682016.

Cochin-682016, the 6th January 1977

Ref. L. C. No. 109/76-77.—Whereas, I, S. N. CHANDRACHOODAN NAIR,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. Nos. as per schedule situated at Vellanikara Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ollukkara on 19-5-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(e) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

53.67 acres of land with buildings in Sy. No. 46/3 etc. in Vellanikara Village.

S. N. CHANDRACHOODAN NAIR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 6-1-1977.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri K. Rajasekaran
No. 3 Ramar Koil St.
Ramnagar
Coimbatore-9.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

(2) Shri K. Ravindran
S/o Shri B. Kothandaraman
16A, Muthuswamy Colony
Coimbatore-26.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 4th January 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. F. 2950/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Site Nos. 13 and 14, situated at Muthuswami Gounder Colony No. 3, Komarapalayam, Coimbatore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR II Coimbatore (Doc. No. 1150/76) on 14-6-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Half share in 17 Cents and 163 Sq. ft. (with building) bearing Site Nos. 13 and 14, Muthuswami Gounder Colony No. 3, Komarapalayam, Coimbatore (S.F. 185 and 186/2).

S. RAJARATNAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-1-1977.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri S. Gopal and Shrimati G. Kamalam (themselves and guardians for their minor sons) D. No. 22/325 Raja St., Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Lakshmi Ammal W/o Shri K. Shanmugam D. No. 22/325 Raja St., Coimbatore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 4th January 1977

Ref. No. F. 4001/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 22/325 to 332, situated at Raja Street, Coimbatore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR, III, Coimbatore (Doc. No. 1680), on 20-5-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Site admeasuring 3956 Sq. ft. (with building) and bearing New Door Nos. 22/325 to 332, Raja Street, Coimbatore (New T.S. No. 6/963).

S. RAJARATNAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Dated : 4-1-77.
Seal :

FORM ITNS—

(1) SP. VE. Valliammai, No. 2 First Link St., CIT Colony, Madras-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri M. R. Gopalakrishna, No. 45 Nandanam Extension, Madras-35.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II MADRAS-6

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 4th January 1977

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. F. 5202/76-77.—Whereas, I. S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 45, situated at Nandanam Extension, Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore, Madras (Doc. No. 647/76) on 6-5-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Site admeasuring 1 ground and 1123 Sq. ft. (with building) and bearing Door No. 45, Nandanam Extension, Madras-35 (R.S. No. 3884/1 Part).

S. RAJARATNAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-Section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Dated : 4-1-77.

Seal :

FORM ITNS-----

(1) Mr. Farrok J. Irani 24/2 Poes Garden, Madras-86.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 4th January 1977

Ref. No. 5207/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 43/2/L Mount Road, situated at Madras-32 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR II Madras (Doc. No. 1027) on 10-5-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(2) 1. Shri S. G. Gupta 2. Mrs. Lalitha Gupta No. 13 Poes Garden, Madras-86. 3. Shri Anand Gupta 4. Shri Vijay Gupta 5. Shri Mohan Kumar Gupta No. 11 Kasinath Mallick Lane, Calcutta-1 6. Mrs. Saroj Gupta, Daria Mahal, Bombay; and 7. Shri J. P. Gupta E4, Industrial Area, Sonapat, Haryana.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land admeasuring 18 grounds & 1240 Sq. ft. and bearing Door No. 43/2 L Mount Road, Guindy, Madras-32 (T.S. Nos. 3 Part and 4, Block No. 7 (Plot Nos. 4 & 5).

S. RAJARATNAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Dated : 4-1-77

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri A. Subramani Achari, son of Shri Arunagiri Achari, No. 17, Arunachala Iyer Chattiram St., Dharmapuri.

(Transferor)

(2) Shri B. S. Ramamurthy, son of Shri B. V. Chellappa Pillai, Bazar Street, Bhavani, Coimbatore district.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 5th January 1977

Ref. No. 1/MAY/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 140, 141, 142, 149 to 151, situated at Unguranalli village, Dharmapuri District (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dharmapuri (Doc. No. 740/76), on 5-5-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 5.96 acres (with 3 HP motor pumpset) at Unguranalli village, Dharmapuri district as shown below :

Survey No.	A—C
140	0—78
„ 149	0—18
„ 141	2—18
„ 142	1—22
„ 150	0—70
„ 151	0—90
	<hr/> 5—96 <hr/>

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Dated : 5-1-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri P. Damodaramurthy, son of Shri S. Ponnappa,
No. 7, Damodaramurthy Road, Kilpauk, Madras-10.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri M. A. Thangappan, 124, First Main Road, Anna
Nagar, Madras-600 040.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 5th January 1977

Ref. No. 5/MAY/1976-77.—Whereas, I, G.
RAMANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
plot No. 3, situated at Ponnappa Pillai Road (proposed
road), Kilpauk, Madras-10
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at Madras (Doc. No. 572/76) on May 1976
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to be-
tween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of the notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 2 grounds and 480 sq. ft. at plot No.
3 (R.S. No. 72/8) Ponnappa Pillai Road (proposed road),
Kilpauk, Madras.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Dated : 5-1-1977
Seal :

FORM ITNS

- (1) Smt. Shakira Banu, D/o Shri Abdul Sukkur, No. 79, Big Street, Melvisharam, North Arcot district.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Smt. A. Hajira Bivi, W/o Shri Abdul Sukkur, No. 79, Big Street, Melvisharam, North Arcot district.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 5th January 1977

Ref. No. 48/MAY/76.77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 25, situated at Old Tiruthani Road, Ranipet (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Walajanagar (Doc. No. 895/76), on May, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 26 cents with buildings thereon at door No. 25 (S. No. 28/3), Old Tiruthani Road, Ranipet.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Dated : 5-1-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th January 1977

Ref. No. 115/76-77.—Whereas, J. V. R. SAGAR, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as in the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Vill. Alamwala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Malout on May, 76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Jagir Kaur Wd/o Sh. Lal Singh S/o Sh. Motu Singh R/o Village Alamwala.
(Transferor)
- (2) Shri Hari Singh etc. R/o Village Alamwala.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 315-2 K. M. in village Alamwala as mentioned in the Registered Deed No. 299 of May, 1976 registered by the Sub-Registrar, Malout.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 6-1-1977
Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

INDIAN FOREST SERVICE EXAMINATION, 1977
F. 13/4/76-E-1(B)

New Delhi, the 22nd January, 1977

NOTICE

A competitive examination for recruitment to the Indian Forest Service will be held by the Union Public Service Commission at ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, JAIPUR, MADRAS, NAGPUR, PATIALA, PATNA, SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR and TRIVANDRUM commencing on the 12th July, 1977 in accordance with the Rules published by the Cabinet Secretariat, (Department of Personnel and Administrative Reforms) in the Gazette of India dated the 22nd January, 1977.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure, para 11).

2. The approximate number of vacancies to be filled on the results of this examination is 90 (including 13 vacancies reserved for Scheduled Castes and 7 vacancies for Scheduled Tribes candidates). This number is liable to alteration.

3. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by Money Order, or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. *This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.*

NOTE 1.—REQUESTS FOR SUPPLY OF APPLICATION FORM AND FULL PARTICULARS OF THE EXAMINATION BY POST MUST REACH THE OFFICE OF THE COMMISSION BEFORE 7-3-1977. HOWEVER, THE FORMS MAY BE HAD PERSONALLY FROM THE COUNTER IN THE OFFICE OF THE COMMISSION UPTO 14-3-1977.

NOTE 2.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE INDIAN FOREST SERVICE EXAMINATION, 1977. APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE INDIAN FOREST SERVICE EXAMINATION, 1977, WILL NOT BE ENTERTAINED.

4. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on or before the 14th March, 1977 (28th March, 1977 in the case of candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 14th March, 1977), accompanied by necessary documents. *No application received after the prescribed date will be considered.*

5. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form, a fee of Rs. 48.00 (Rs. 12.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Parliament Street, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "051—Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 6 BELOW.

6. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March 1971, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.

7. A refund of Rs. 30.00 (Rs. 8.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

8. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

R. S. GOFLA
Deputy Secretary,
Union Public Service Commission

ANNEXURE

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. Before filing in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATES MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

2. The application form and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. An application which is incomplete or is wrongly filled in is liable to be rejected.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 14th March, 1977.

All candidates, whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government service, whether in a permanent or temporary capacity or as work-charged employees other than casual or daily rated employees are, however, required to obtain the permission of Head of their Office/Department before they are finally admitted to the examination. They should send their applications direct to the Commission after detaching the 2 copies of the form or certificate attached at the end of the application form and submit the said forms of certificate immediately to their Head of Office/Department with the request that one copy of the form of certificate duly completed may be forwarded to the Secretary, Union Public Service Commission, New Delhi as early as possible and in any case not later than the date specified in the form of certificate.

3. A candidate must send the following documents with his application—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee. (para 5 of Notice).
- (ii) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photograph of the candidate.
- (iii) Attested/certified copy of Certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable [See para 4(iii) below].
- (iv) Attested/certified copy of Certificate in support of claim for age concession/fee remission where applicable [See paras 4(iv) and 5 below].

NOTE.—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATE MENTIONED IN ITEMS (iii) AND (iv) ABOVE, ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT.

CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINAL CERTIFICATES IN SUPPORT OF THEIR AGE, EDUCATIONAL QUALIFICATION, CLAIM TO BELONG TO SCHEDULED CASTES/SCHEDULED TRIBES AND IN SUPPORT OF AGE CONCESSION/FEE REMISSION, WHERE APPLICABLE, SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE RESULTS ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF OCTOBER, 1977. CANDIDATES SHOULD KEEP THESE CERTIFICATES IN READINESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF INTERVIEW. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

4. Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) of para 3 above are given below :

(i) (a) *CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee—*

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows :—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) *CROSSED Bank Draft for the prescribed fee—*

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Parliament Street, New Delhi and should be duly Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

(ii) *Photographs.*—A candidate must submit two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approximately), photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy should be firmly attached with the application form. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

(iii) A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other officer as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate; if both his parents are dead the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India :

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari*
son/daughter* of _____
village/town* _____ in District/Division*
_____ of the State/Union Territory*
_____ belongs to the _____ Caste/Tribe*
which is recognised as a Scheduled Caste/Schedule Tribe*
under :—

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Tribe) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes list (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971]

the Constitution (Jammu & Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*.

2. Shri/Shrimati/Kumari* and/or*
his/her* family ordinarily reside(s) in village/town*
..... of District/Division* of
the State/Union Territory* of

Signature.....

**Designation.....

(with seal of Office)

Place

Date

State/Union Territory*

*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

**Officers competent to issue Caste/Tribe certificates.

- (i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

- (iii) Revenue Officer not below the rank of Tehsildar.

- (iv) Sub Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer (Lakshadweep).

(iv) (a) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under Rule 4 (b)(ii) or 4(b)(iii) and/or remission of fee under paragraph 6 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964, and 25th March, 1971 :—

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States ;
- (2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being, be resident;
- (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
- (4) Sub-Divisional Officer within the Sub-Division in his charge.
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.

(b) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 4(b)(iv) or 4(b)(v) and/or remission of fee under paragraph 6 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

(c) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 4(b)(vi) or 4(b)(vii) and/or remission of fee under paragraph 6 of the Notice should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon, to show that

he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

(d) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under Rule 4(b)(viii) or 4(b)(ix) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General Resettlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof.

The form of the certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. _____ Shri _____ of Unit _____ was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with a foreign country/in a disturbed area* and was released as a result of such disability.

Signature

Designation

Date

*Strike out whichever is not applicable.

(e) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under rule 4(b)(x) or 4(b)(xi) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Border Security Force, Ministry of Home Affairs, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. Shri of Unit was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature.....

Designation

Date

5. A candidate belonging to any of the categories referred to in paragraph 4(iv)(a), (b) and (c) above, and seeking remission of the fee under paragraph 6 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii) and 3(iv) above without a reasonable explanation for its absence having been given the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the commission's office within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise the application is liable to be rejected.

6. The original certificates of age and educational qualifications which the candidates who qualify on the results of the written examination will be required to submit are as follows.

(i) *Certificate of Age*.—The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by

the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Some times the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of Birth or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, a certificate from the Headmaster/Principal of the institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the institution.

Candidates are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

NOTE 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit only the page containing entries relating to age.

NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iv) *Certificate of Educational Qualification.*—A candidate must submit a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 5. The certificate submitted must be one issued by authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

If the University Certificate of passing the degree examination submitted by a candidate in support of his educational qualifications does not indicate the subjects of the examination a certificate from the Principal/Head of Department showing that he has passed the qualifying examination with one or more of the subjects specified in Rule 5 must be submitted in addition to the University Certificate.

NOTE.—Candidates who have appeared at an examination the passing of which would render them educationally qualified for the Commission's examination but have not been informed of the result as also the candidates who intend to appear at such a qualifying examination will NOT be eligible for admission to the Commission's examination.

7. A person in whose case a certificate of eligibility is required should apply to the Government of India Cabinet Secretariat (Department of Personnel and Administrative Reforms) for issue of the required certificate of eligibility in his favour.

8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

9. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

10. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

11. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

12. Copies of pamphlets containing rules and question papers of five preceding examinations are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines Delhi-110006 and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, Opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale counters of the Publications Branch, Udyog Bhawan, New Delhi-110001, and office of the Union Public Service Commission, Dhoolpur House, New Delhi-110011 and (iii) the Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

13. *Communications regarding Applications.*—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, SHAHJAHAN ROAD, NEW DELHI-110011, AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS :—

1. NAME OF EXAMINATION.
2. MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
3. ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
4. NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
5. POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

14. *Change in address.*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY, CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 13 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

ADMISSION TO THE TRAINING SHIP RAJENDRA AND THE DIRECTORATE OF MARINE ENGINEERING TRAINING, CALCUTTA/BOMBAY FOR THE ACADEMIC YEAR—1977.

A Combined Written Qualifying Examination will be held on 27th and 28th May 1977, for admission to the Navigation (One Year) and Marine Engineering (4 years) course in the above mentioned institutions at the following centres subject to sufficient number of candidates being available at each centres :—

EXAMINATION CENTRES

1. Ahmedabad.
2. Bangalore.

3. Bhopal.
4. Bombay.
5. Calcutta.
6. Chandigarh.
7. Cuttack.
8. Delhi.
9. Ernakulam.
10. Gauhati.
11. Hyderabad.
12. Jaipur.
13. Lucknow.
14. Madras.
15. Nagpur.
16. Patna.
17. Srinagar.
18. Port Blair.
19. Trivandrum.
20. Visakhapatnam.

Subjects for the examination will be (1) English (One Paper) 3 hours—100 marks, (2) Mathematics (One Paper) 3 hours—100 marks, (3) Physics (One Paper) 3 hours—100 marks, (4) Chemistry (One Paper) 1½ hours—50 marks, and (5) General Knowledge (One Paper) 1½ hours—50 marks. On the basis of the result of the entrance examination, candidates will be called for a medical examination and an Interview before the Selection Board at Calcutta/Bombay. The candidates will have to bear the travelling expenses and to arrange for the boarding and lodging at the centres of the examination and Interview.

Fifteen per cent of the seats are reserved for candidates belonging to Scheduled Cast and five percent for Scheduled Tribes for admission to T. S. Rajendra and Marine Engineering Training provided suitable candidates are available.

QUALIFICATION FOR ADMISSION

(A) Candidate must have passed any one of the following examinations :

- (a) The Intermediate Science Examination conducted by a recognised Board of Education/University with Mathematics, Physics and Chemistry as separate subjects.
- (b) Any other equivalent course *i.e.*, 10+2 with Mathematics, Physics and Chemistry as separate subjects approved by the Ministry of Education Government of India.
- (c) Where the 3 years Degree Course can be taken up after 10+1 the first year of the Degree Course with Mathematics, Physics and Chemistry as separate subjects.
- (d) First year examination of a 5 year integrated Technological/Engineering Degree Course after Higher Secondary examination (10+1) conducted by I.I.Ts./Universities.

NOTE :—10+2 means a candidate must have studied for a period of 2 years and the course completed/passed the final year examination after obtaining S.S.L.C./S.S.C./Matriculation or its equivalent certificate.

(B) Candidates who have the minimum educational qualification as stated in para (A) above and who have appeared or intend to appear at the examination for a Degree in Science are also eligible to apply for admission.

AGE LIMIT

Candidates who have the minimum educational qualification, as stated in para (A) and (B) above must be within the age limit of 20 years on the 1st September of the year of entry *i.e.*, must have been born on or after 1st September 1957. For the Scheduled Caste and Scheduled Tribe candidates the age limit will be higher by one year.

APPLICATION FORM

There is only one application form for T. S. Rajendra/D.M.E.T. course. Application form can be had on payment of Re. 1/- by Crossed Indian Postal Order drawn in favour of Director General of Shipping, Bombay and payable at G.P.O. Bombay.

Application forms are available from the Executive Officer (Training) on submitting an application in writing enclosing, Crossed Indian Postal Order of the value of Re. 1/- and a self-addressed envelope 23 cms. by 10 cms. with 40 paise postal stamps. Complete postal address in capital letters should be given both in the application and the self-addressed envelope. Cover containing the application for supply of application form should bear the words "Request for Rajendra/DMET Application Form" on the top left hand corner of the envelope.

PROSPECTUS

Prospectus containing full particulars of the two courses and details of fees, Scholarships, etc. is obtainable from Executive Officer on payment of Rs. 2/- by Crossed Indian Postal Order drawn in favour of the Director General of Shipping and payable at G.P.O. Bombay-400 001. *Separate application should be made for supply of prospectus* with complete postal address in capital letters. Cover containing the application for supply of Prospectus should bear the words "Request for Prospectus" on the top left hand corner.

NOTE :—The Prospectus has been revised recently and is under print. Copies will be supplied to the candidate immediately after receipt from the Government Printing Press. Candidates must not delay the submission of their applications on account of non-availability of prospectus and ensure that applications complete in all respect must reach this office before the closing date.

CLOSING DATE

Applications in the prescribed form complete in all respects from *unmarried male candidates* should reach the Executive Officer (Training) on or before the 31st March 1977. Applications received after the due date will not be considered. Supply of blank application form by post will be closed on 24th March 1977.

